# हिंदी

# कैसे पढ़ाएँ ?

## कक्षा 1

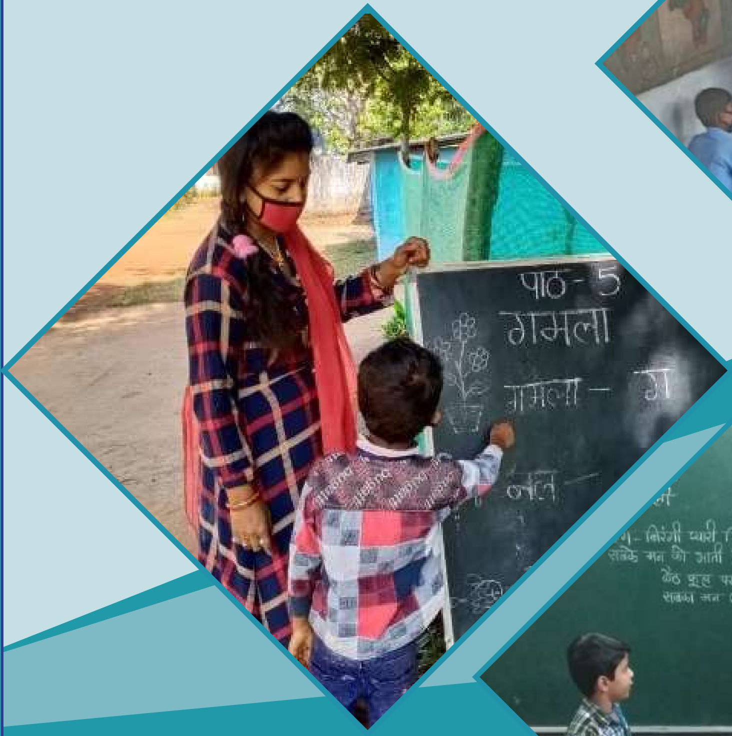

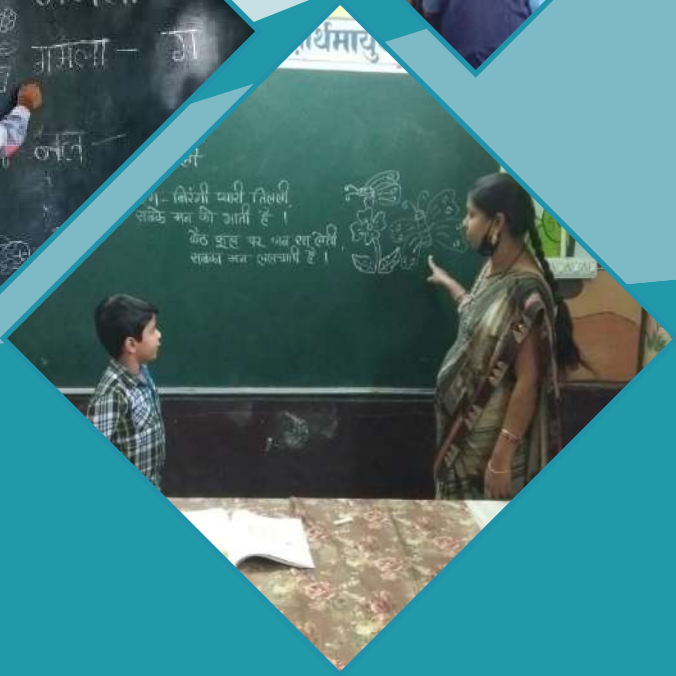

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

# छत्तीसगढ़ के राजकीय प्रतीक

राजकीय पशु – वन भैंसा

राजकीय पक्षी – पहाड़ी मैना

राजकीय वृक्ष – साल वृक्ष

राजकीय पुष्प – गेंदा

राजकीय नृत्य – करमा लोक नृत्य

प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षकों के लिए पैडागॉजी आधारित

शिक्षक संदर्शिका

# हिन्दी कैसे पढ़ाएँ ?

## कक्षा – पहली

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छत्तीसगढ़, रायपुर

# प्रकाशन वर्ष: 2022

## मार्गदर्शन

**राजेश सिंह राणा** भा.प्र.से.
संचालक
एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग., रायपुर

**डॉ. योगेश शिवहरे**
अतिरिक्त संचालक
एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग., रायपुर

## समन्वयक

श्रीमती विद्या डांगे

## संपादन

श्रीमती विद्या डांगे, डॉ. नीलम अरोरा

## विशेष सहयोग

डॉ. विद्यावती चंद्राकर

## सहयोग

श्री गणेश तिवारी, श्री सुनील मिश्रा

## लेखन समूह

सुश्री पुष्पा शुक्ला, श्रीमती गोमती ठाकुर, हेमलता नायक, श्रीमती उषा शर्मा, श्रीमती अनिता ताम्रकार, कविता कोरी, श्रीमती हीरमती भारद्वाज, श्रीमती नंदिनी राजपूत, श्रीमती उषा वर्मा, श्री द्रोण साहू, श्रीमती विनीता गुप्ता, लक्ष्मी सोनी, श्रीमती योगेश्वरी, श्री खोजन डिंडोरे, श्रीमती अंजनी मंडावी, श्री मिलिन्द चंद्रा, श्री रूद्र नारायण बघेल, श्रीमती सूरजकांति , श्री योगेश कुमार निर्मलकर, श्रीमती भावना सिंह, अंकेश्वर प्रसाद महिपाल, श्रीमती पारेश्वरी अमादिया, श्रीमती सुभद्रा जगत, श्री सत्यपाल जायसवाल, श्री चन्द्रहास राठौर, श्रीमती कामेश्वरी कश्यप, श्रीमती प्रेरणा कश्यप, श्रीमती शकुन्तला देवांगन, श्रीमती वसुंधरा कुर्रे, संतोष कुमार तारक, श्री शिशुपाल साहू

## क्षेत्र परीक्षणकर्ता

श्री योगेश कुमार निर्मलकर, श्रीमती भावना सिंह, श्रीमती कामेश्वरी, श्रीमती पारेश्वरी अमादिया, श्रीमती अनिता ताम्रकार, श्रीमती बेला यादव, श्रीमती प्रेरणा कश्यप, श्रीमती शकुन्तला देवांगन

## टायपिंग एवं डिजायनिंग

श्री कुन्दन लाल साहू

## आवरण पृष्ठ

श्री सुधीर कुमार वैष्णव

# आमुख

यह संदर्शिका भाषा पाठ्यपुस्तक की पूरक है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषायी कौशलों को समझने की प्रवृत्ति में वृद्धि करना है। इस संदर्शिका में उपलब्ध संसाधनों, संस्कृति, वातावरणीय संसाधनों पर आधारित गतिविधियों का चयन किया गया है, इनमें विभिन्न भाषायी कौशलों के विकास के लिए भाषा का एकीकृत दृष्टिकोण है। यह शिक्षकों को नए प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सार्थक निष्कर्ष प्राप्त करने और सीखने की उपलब्धियों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है।

संदर्शिका में पाठों, कविताओं के लर्निंग आउटकम्स, गतिविधियाँ क्या, क्यों और कैसे कराएं, सोचो और बताओ एवं बच्चों के अनुभवों, व्याकरण और भाषा तत्वों के साथ-साथ आकलन जो कि NAS पर आधारित है को शामिल किया गया है।

प्रत्येक अध्याय के प्रारंभ में दिया गया 'शीर्षक परिचय' विद्यार्थियों के पूर्ववर्ती ज्ञान को बढ़ाने के लिए चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ सूचनापरक भी है। प्रत्येक पाठ विषय वस्तु के उदाहरणों, दृष्टांतों, सारणियों, क्रियाकलापों और आकलन से युक्त है, जो प्रत्येक भाषायी अवधारणाओं के सीखने के उद्देश्य से प्राप्त हुआ है। पाठ में सम्मिलित गतिविधियाँ अध्याय विशेष पर एक समग्र दृष्टि प्रस्तुत करती हैं।

प्रत्येक अध्याय के अंत में प्रस्तुत आकलन जो कुछ पढ़ा अथवा पढ़ाया गया है को पुनर्बलित करता है।

संदर्शिका में दिए गए क्रियाकलापों का चयन सावधानीपूर्वक किया गया है जिससे कि कक्षा में विद्यार्थियों की सहभागिता को अधिकाधिक रूप से बढ़ाया जा सके। बहुत-से क्रियाकलाप ऐसे हैं जिन्हें सरलतापूर्वक किया जा सकता है, इनके लिए कोई विशेष सामग्री की आवश्यकता नहीं है, इन्हें कक्षा में ही संपन्न किया जा सकता है अथवा गृहकार्य के रूप में दिया जा सकता है।

जहाँ कुछ गतिविधियाँ समूह-केन्द्रित हैं, वहीं कुछ व्यक्तिगत स्वरूप के हैं। समूह-केन्द्रित गतिविधियाँ टीम निर्माण के लिए महत्वपूर्ण होते हैं, जिसमें साथ-साथ भागीदारी करने के आनंद का अनुभव होता है साथ ही एक-दूसरे के विचारों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर मिलता है।

गतिविधियों के सत्र संचालित करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि कक्षा का वातावरण ऐसा बना रहे जो पारस्परिक सम्मान, विश्वास तथा सहयोग के लिए प्रेरक हो। चूंकि हर कक्षा भिन्न होती है तथा प्रत्येक अध्यापक अपने आप में विशेष होता हैं, अतः इन गतिविधियों को बदलती आवश्यकताओं एवं संदर्भों के अनुसार अनुकूलित किया जा सकता है।

यह विशेष रूप से ज्ञातव्य है कि इस संदर्शिका का उपयोग करते समय हमें भाषायी एवं आनुभविक गतिविधियों में संतुलन बनाए रखने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए, जिससे संदर्शिका अधिक उपयोगी व सार्थक सिद्ध हो। इसे और भी उपयोगी बनाने के लिए आपके सुझावों का सदैव स्वागत है।

शुभकामनाओं सहित...

**संचालक**

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

# कक्षा – पहली

## अनुक्रमणिका


| अध्याय | अध्याय का नाम | पृष्ठ क्रमांक |
|---|---|---|
| | चित्र पर चर्चा | I-IV |
| 1 | आम की टोकरी | 1-4 |
| 2 | चार चने | 5-7 |
| 3 | चूहों ! म्याऊँ सो रही है | 8-10 |
| 4 | पगड़ी | 11-13 |
| 5 | गमला | 14-18 |
| 6 | अनार | 19-22 |
| 7 | राजा आ | 23-25 |
| 8 | इमली और ईख | 26-29 |
| 9 | तितली | 30-32 |
| 10 | उल्लू आया | 33-36 |
| 11 | लालू और पीलू | 37-40 |
| 12 | बंदर आया | 41-45 |
| 13 | मेला | 46-48 |
| 14 | ओढ़नी | 49-52 |
| 15 | खिलौनेवाला | 53-56 |
| 16 | झंडा | 57-59 |
| 17 | बंदर और गिलहरी | 60-61 |
| 18 | हलीम चला चाँद पर | 62-64 |
| 19 | दौड़ | 65-68 |
| 20 | इनको भी जानो | 69-72 |

# चित्रों पर बातचीत – एक शिक्षक का अनुभव

साथियो ! हमारी किताब में कई रंगीन चित्र दिए हैं। ये चित्र भाषायी कौशलों के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। ये सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों को आसानी से जोड़ते हैं। उन्हें सकारात्मक अनुभव देते हैं, जिससे बच्चे कक्षा में आसानी से विषयवस्तु पर बातचीत कर सकते हैं, अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं। जिससे उनके अभिव्यक्ति कौशल और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। चित्रों पर बातचीत करना आरंभिक पठन एवं चित्र बनाना या गोदा-गादी करना आरंभिक लेखन की शुरूआत है। इन चित्रों पर बातचीत कैसे की जाए आइए, इसे समझते हैं –

| **चित्रों पर बातचीत** | **चित्र पर चर्चा क्यों करे ?** |
| --- | --- |
| चित्रों पर अलग-अलग बातचीत हो सकती है। बच्चों से चित्रों के बारे में सरल सवाल पूछकर उन्हें बातचीत करने, कल्पना करने, सोचने, अपने अनुभव को बताने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। चित्रों पर पाँच तरह से प्रश्न पूछकर बातचीत की जा सकती है -<br>1. ढूंढना - इस में हम बच्चों को चित्र में अवलोकन करने या ढूंढने से संबंधित प्रश्न पूछ सकते हैं।<br>2. तर्क करना - इसमें बच्चों से कारण संबंधी प्रश्न पूछे जा सकते हैं।<br>3. कल्पना करना - इस तरह के प्रश्न पूछने का उद्देश्य बच्चों को कल्पित स्थिति में स्वंय को डालने, कौन क्या कहेगा यह कल्पना करने और उन्हें कैसे लगेगा यह सोचने के लिए प्रोत्साहित करें।<br>4. अनुमान लगाना - चित्र में दिखाई गई घटनाओं का अनुमान लगाने से आगे क्या होगा यह सोचने के लिए प्रेरित करना।<br>5. संबंध बैठाना - चित्र में दिखाई गई स्थिति से मिलती-जुलती कोई चीज अपने जिंदगी में ढूंढने के लिए प्रेरित करना। | 1. चित्र पर चर्चा करने से बच्चों के बोलने के कौशल का विकास होता है।<br>2. बच्चों में कल्पना शीलता, अनुमान लगाना, तर्क करना, चिंतन करना आदि कौशलों का विकास होता है।<br>3. चित्रों पर चर्चा करने से बच्चे अपने आसपास की घटित घटनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं।<br>4. बच्चे किसी परिस्थिति में स्वयं को रखकर किसी घटना को अपने जीवन से जोड़कर देख पाते हैं।<br>5. बच्चे किसी परिस्थिति में किसी घटित घटना के कारणों के बारे में जान पाते हैं। |

आइए अब हम पाठ्य पुस्तक में दिए गए चित्र के माध्यम से बच्चों में विभिन्न कौशलों का विकास करने हेतु प्रश्न पूछें।

**पेज क्रमांक I**

- चित्र में तुमको कौन-कौन दिखाई दे रहा है? (अवलोकन करना)
- बच्चों के हाथ में क्या है ? (अवलोकन करना)
- बच्चे क्यों हँस रहे होंगे? (अनुमान लगाना)
- वे कहाँ जा रहे होगें? (अनुमान लगाना)
- लड़की व लड़के ने किस रंग के कपड़े पहने हैं ?
- आप लड़की व लड़के का क्या नाम देना चाहोगे ?
- बच्चे कौन से कक्षा में पढ़ते होंगे ?
- उनकी स्कूल का ड्रेस कौन-से रंग का होगा ?

**पेज क्रमांक II, III**

- चित्र में खिड़की ढूंढ कर बताओ ? (ढूंढना)
- इस चित्र में तुमको क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?
- कुछ बच्चे कक्षा के बाहर क्या खेल रहे हैं ? (तर्क करना)
- इस चित्र में कितने लड़के व कितनी लड़कियाँ हैं ?
- दो बच्चे कक्षा के बाहर बस्ता लेकर कहाँ जा रहे होंगे ? (कल्पना करना)
- दीवारों पर कौन-कौन से चित्र लगे हैं ?(अनुमान लगाना)
- कक्षा में पीछे एक लड़की, लड़के को पुस्तक क्यों दिखा रही होगी ?
- बच्चों के ड्रेस कौन-से रंग के हैं ?
- आपका घर साफ रहता है वैसे ही कक्षा की सफाई के लिए आप क्या-क्या करेंगे ? (संबंध बैठाना)

**पेज क्रमांक V**

''हिंदी कक्षा 1 किताब के पेज क्रमांक-5 पर चित्र बनाओ ( बच्चों से चित्र बनाने कहा गया है।) आप भी अपने बच्चों से इस पेज पर चित्र बनवाएँ।

**पेज क्रमांक VI**

''रंगोली बनाओ'' - बच्चे अपने परिवेश में रंगोली बनाते हैं या बनाते हुए देखते हैं, उन्हें रंगोली बनाने में बहुत आनंद आता है। बच्चों को रंगोली बनाने को कहें। बच्चे यह कार्य बहुत खुशी से करते है। इस तरह की गतिविधियों से उनके मोटर स्किल का विकास होगा, लेखन के लिए उनके हाथ और उंगलियों की मांसपेशियाँ मजबूत होंगी।

**<u>पेज क्रमांक 9, 10</u>**

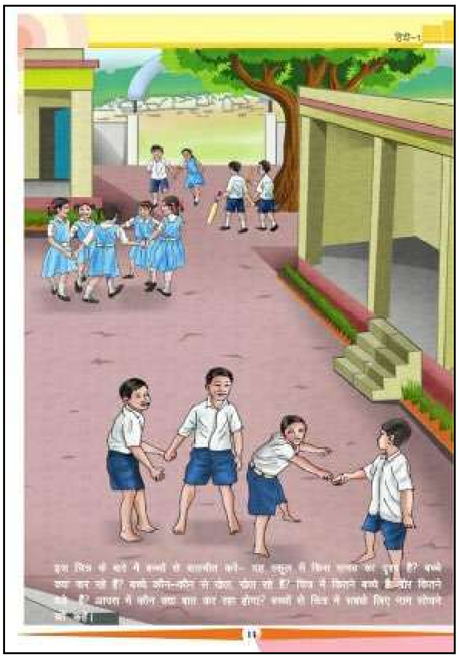

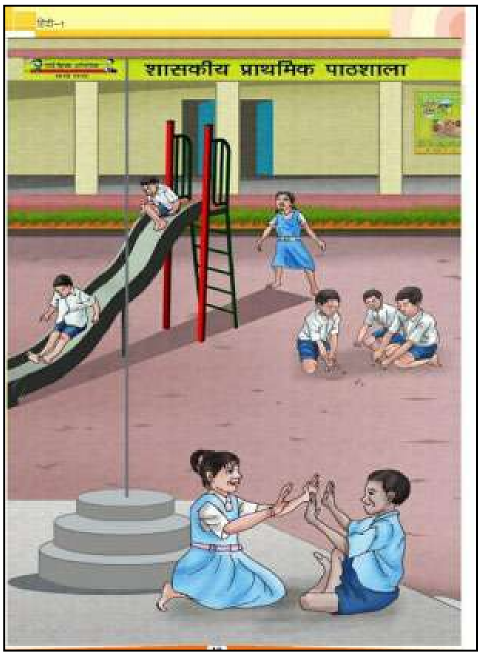


- इस चित्र में आपको क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?
- बच्चे कौन-कौन से खेल खेल रहे हैं ?
- यह कहाँ का चित्र है ?
- यह स्कूल के किस समय का दृश्य है ?
- लड़के कौन-कौन से खेल खेल रहे हैं ?
- लड़कियाँ कौन-कौन से खेल खेल रही हैं ?
- ऐसा कौन-सा खेल है जिसमें लड़के-लड़कियाँ साथ में खेल रहे हैं ?
- बच्चे ऊपर से नीचे फिसल रहे हैं उसे क्या कहते हैं ?
- चित्र देख कर इसके बारे में एक या दो वाक्य बोलो।

पाठ्य पुस्तकों के अतिरिक्त पत्र पत्रिकाओं, अखबार, पोस्टर या बच्चों द्वारा बनाएं गए चित्रों पर भी चर्चा कर सकते है जिससे बच्चों में मौखिक भाषा विकास के साथ-साथ स्कूल और कक्षा से जुड़ाव भी होता है।

**<u>शिक्षक का अनुभव</u>** –

मेरी नियुक्ति कांकेर जिले के एक छोटे से गाँव मुजगहन के शासकीय प्राथमिक शाला में हुई। प्रधानपाठक जी ने मुझे कक्षा 1 पढ़ाने को दिया। पहले दिन मैंने बच्चों को अपना परिचय दिया और उनसे थोड़ी बातचीत करने की कोशिश की किन्तु बच्चे चुपचाप थे उनकी ओर से कोई प्रतिक्रया प्राप्त नहीं हुई। मुझे निराशा हुई। मैंने बच्चों से कहा तुम कुछ अपने बारे में बताओ। बहुत मुश्किल से एक बच्ची नेहा ने अपना नाम बताया फिर राजू, बबलू, छुटकी ने अपने-अपने नाम बताएँ।

छुट्टी होने पर मैंनें प्रधानपाठक से कहा कि सर बच्चे तो कुछ बोलते ही नहीं है।

प्रधान पाठक ने बताया कि - कुछ बच्चे ऐसे है जिनके पूर्वज कभी भी स्कूल नहीं गए है। ये अपनी पीढ़ी के प्रथम बच्चे हैं जो स्कूल आ रहे हैं। इस कारण बच्चे शांत रहते हैं। आप बच्चों से जुड़कर काम करेंगे तो बच्चे अपने आप खुलने लगेंगे।

अगले दिन मैं पाठ 1'आम की टोकरी' स्थानीय भाषा में गाकर सुनाया। बच्चे अभी भी शांत थे। मैं अचरज में पड़ गया कि बच्चे मेरे साथ गा क्यों नहीं रहे हैं ? दूसरे दिन मैंने ड्राइंग शीट पर पाठ में दिए गए चित्रों को बनाकर कक्षा की दीवार में लगाकर बच्चों से इन चित्रों पर स्थानीय भाषा में बातचीत की। इस बातचीत में सभी बच्चों की सहभागिता रही।

उस दिन से मैंने चित्रों पर बातचीत करना को अपने शिक्षण का अभिन्न अंग बना लिया। एक दिन प्रधानपाठक जी मेरे कक्षा में आए। उस समय सभी बच्चे चित्र बनाने में मशगुल थे । उन्होंने कहा -"पढ़ा क्यों नहीं रहे हो? बच्चे क्या गोदा-गादी कर रहे हैं? सीधे-सीधे वर्णमाला पढ़ाओ, ताकि आगे की पढ़ाई अच्छी हो सके।"

मैंने कहा सर, हमें यह गोदा-गादी लगती है किन्तु बच्चों से बातचीत करे तो वे अपने द्वारा बनाये गए चित्रों के बारे में सार्थक बातें बताएंगे। मैंने दो-तीन बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर चर्चा की। सुमन ने बताया कि मैंने घर, पेड़, कुत्ता बनाया है।

मैंने बच्चों द्वारा बनाए हुए सभी चित्रों की तारीफ करते हुए उन चित्रों को कक्षा में एक रस्सी से बांधकर लगा दिया। बच्चों के द्वारा बनाए गए चित्रों पर बच्चों से बातचीत की। बच्चे धीरे-धीरे मुझसे खुलने लगे। उनका डर और संकोच खत्म होने लगा मैंने देखा कि बच्चे दूसरे बच्चों के द्वारा बनाए गए चित्रों पर भी बातचीत कर रहे थे। आज की सफलता देखकर मैंने निश्चय किया कि किताब में जो भी चित्र आए है उस पर पढ़ाने के पूर्व अवश्य चर्चा करूंगा।

मैंने चित्रों पर चर्चा करने के लिए सोचने, अनुमान लगाने, ढूंढने, वर्णन करने, कहानी आगे बढ़ाने संबंधी प्रश्न तैयार किए गए जो रटने पर आधारित नहीं थे। प्रश्न तैयार करते समय मुझे इस बात का भी पता था कि चूंकि चित्र बच्चों के संदर्भ से जुड़े हुए हैं, अतः प्रत्येक बच्चे का अनुभव अलग-अलग होगा तथा उनके उत्तर भी एक समान नहीं होंगे परंतु हर उत्तर अपने आप में सही होगा तथा धैर्य के साथ उनके उत्तर पर बातचीत करते हुए उनके उत्तरों को स्वीकार करना होगा।

मुझे लगा कि चित्रों पर थोड़ी सी पूर्व तैयारी के साथ कक्षा में जाएँ तो बच्चों को सहज ही सीखने-सिखाने की प्रक्रिया से जोड़ा जा सकता है। शर्त यह है कि कौन-कौन से चित्रों पर किस तरह (बच्चों के परिवेश, उम्र और विषयवस्तु के अनुसार) बच्चों से बातचीत की जावेगी। धीमी गति से सीखने और पिछड़ने वाले बच्चों, प्रतिभाशाली बच्चे के लिए पूर्व में ही बैठक व्यवस्था की तैयारी कर लें। तय कर ले कि बच्चों को किस तरह कक्षा में बैठाया जावेगा। मुझे लगा कि अच्छा हो यदि मैं प्रारंभ में बच्चों को स्वयं ही अपनी जगह चुनने की स्वतंत्रता दे दूँ। जब सभी बच्चे आपस में घुल-मिल जाए तो मैं कक्षा की बैठक व्यवस्था बच्चों की सीखने की गति के अनुसार करू इससे हमारी शिक्षा एक सक्रिय व स्व अनुशासित कक्षा का आकार लेगी। शिक्षण और आकलन साथ-साथ चलेंगे। प्रत्येक बच्चे के लिए सीखने के अवसर उत्पन्न किए जा सकेंगे। मुझे लगा इतना तो मैं कर ही सकता हूँ।

---000---

# पाठ 1

# आम की टोकरी

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH104, LH106 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| **प्रथम दिवस** | | |
| 1. पाठ के चित्र पर चर्चा | • पाठ्यपुस्तक में दिए गए चित्र पर चर्चा करने से बच्चों की अवलोकन क्षमता का विकास होगा एवं चित्र से संबंधित अपने अनुभव कक्षा में बता पाएँगे। | शिक्षक बच्चों को चित्र देखने कहें व चित्र से संबंधित प्रश्न पूछे। बच्चों के द्वारा स्थानीय भाषा में नाम बताने पर उन्हीं शब्दों का उपयोग प्रश्न/ गतिविधि में करें।<br>• इस चित्र में तुमको क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?<br>• लड़की क्या कर रही है ?<br>• तुम्हें टोकरी में क्या दिखाई दे रहा है ?<br> |
| 2. पूर्व ज्ञान पर चर्चा | • बच्चों का पाठ के साथ जुड़ाव होगा।<br>• अपने वस्तुओं को बाँटने संबधी नैतिक मूल्यों का विकास होगा।<br>• अनुमान लगाने के कौशलों का विकास होगा। | • तुम कौन-कौन से फल खाते हैं ?<br>• आम का स्वाद कैसा होता है ?<br>• आम से क्या-क्या चीजें बनाई जाती हैं ?<br>• टोकरी में क्या-क्या चीजें रखी जाती हैं?<br>• तुम अपने दोस्त को कौन-कौन सी चीजें देते हैं ?<br>• क्या तुम अपने खिलौने/खाने की वस्तुएँ अपने भाई-बहन या साथी को देते हो ? |
| 3. कविता को हाव-भाव से सुनाना | • कविता को हाव-भाव के साथ सुना सकेंगे तथा कविता में आए शब्दों को समझ पाएँगे। | • बच्चे कविता का भरपूर आनंद ले सकें इसलिए शिक्षक बच्चों को लय एवं अभिनय के साथ कविता सुनायें। कविता को तो दो-तीन बार सुनाएँ। समूह में, जोड़ो में कविता सुनाने के अवसर प्रदान करें ताकि बच्चों को कविता याद हो जाए। वे स्वतंत्र रूप से कविता गा सके। |
| **द्वितीय दिवस (प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)** | | |
| 4. कविता पर बातचीत | • कविता पर समझ बनेगी।<br>• बच्चे सक्रिय रूप से सहभागी होंगे। | **कविता से संबंधित मौखिक प्रश्न पूछें** -<br>• आम कौन बेच रहा है ?<br>• आम के दाम कौन नहीं बता रहा है ?<br>• तुम आम को कैसे खाते हो ?<br>• टोकरी में क्या है ? |

| | | |
|---|---|---|
| 5. ध्वनि जागरूकता | • कविता में आए वाक्य के शब्द स्तर एवं अक्षर की छोटी इकाई को समझ पाएँगे तथा कविता में आए समान ध्वनि वाले शब्दों का उच्चारण कर पाएँगे। | • कविता में आए वाक्यों के शब्दों एवं अक्षरों की छोटी इकाई को पहचानने के लिए ताली बजाने का खेल कराएँ।<br>**वाक्य स्तर -**<br>**1.** टोकरी में आम है। इस वाक्य में जितने शब्द हैं, उतनी ताली बजाकर दिखावें।<br>('टोकरी'-**1** ताली, 'में'-**1** ताली, 'आम'-**1** ताली, 'है'-**1** ताली कुल = **4** ताली)<br>**शब्द स्तर -**<br>**1.** आम - 'आ' (एक ताली) 'म' (एक ताली) = आम |
| **तृतीय दिवस**<br>**( पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| 6. लोगोग्राफिक पठन (अनुमान से पढ़ना) | • प्रारंभिक पठन के रूप में कविता को अनुमान से पढ़ पाएँगे। | • शिक्षक कविता को ब्लैकबोर्ड या ड्राइंग शीट पर लिखकर आदर्श पठन, साझा पठन, मार्गदर्शनयुक्त पठन और स्वतंत्र पठन कराएँ।<br>• ड्राइंग शीट में कविता को लिखकर प्रत्येक लाइन की एक-एक पट्टी काट कर बच्चों के समूह को दें और कहें कि पट्टी में लिखी हुई लाइन को बोर्ड पर लिखी गई कविता में ढूंढकर मिलान करें। |
| 7. लेखन कौशल | • बच्चे चित्रों के माध्यम से लिखने की शुरुवात कर पाएँगे। | • आम का चित्र बनाओ। |
| **चतुर्थ दिवस**<br>**( पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| 8. रचनात्मक कार्य | • बच्चों की मौलिक क्षमता का विकास होगा।<br>• बच्चे एक साथ मिलकर कार्य करने से समूह भावना का विकास होगा। | • बच्चों से समूह बनाकर आम की पत्तियों से तोरण बनाने को कहें व उनके द्वारा बनाए तोरण बनाने को कहें। बच्चों द्वारा खिड़की-दरवाजों पर लगाएँ।<br>• समान बेचने का अभिनय करवाएँ। |
| **पंचम दिवस** | | |

**आकलन -**

1. तुमको जो भी कविता आती है उसे अभिनय के साथ सुनाओ।
2. पाठ में आए समान ध्वनि वाले शब्दों को बताओ।
   जैसे
   - आम, दाम, ................, ..................।
   - टोकरी, ................, ..................।

*** लोगोग्राफिक पठन (अनुमान से पढ़ना) -**

लोगोग्राफिक पठन में बच्चे दिए गए शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ते हैं। इस प्रक्रिया में बच्चे पूरे शब्द को उसकी आकृति के आधार पर चित्र की तरह याद रखते हैं। ( दो-तीन साल के बच्चे चिप्स या बिस्कुट के पैकेट को देखकर पहचानते है।) अधिकतर पढ़ना प्रारंभ करने वाले बच्चे इसी स्तर से प्रारंभ करते हैं।

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

## शिक्षक का अनुभव -

**(श्रीमती गोमती ठाकुर, शिक्षक, शा.प्रा.शाला सरपंच पारा महुपालबरई, बस्तर)**

**गतिविधि क्रमांक 3 - समूह में कविता का वाचन**

**गतिविधि क्रमांक 6 - अनुमान से पढ़ना**

**गतिविधि क्रमांक 6 - अनुमान से पढ़ना**

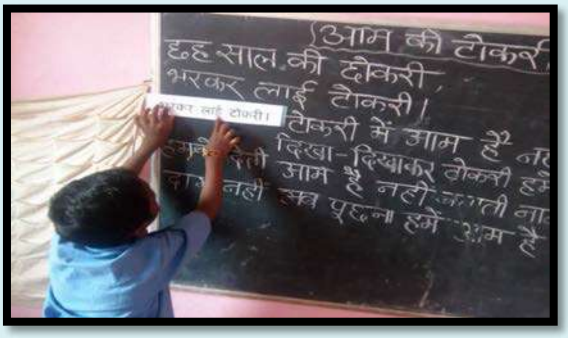


**गतिविधि क्रमांक 6 - अनुमान से पढ़ना**

**गतिविधि क्रमांक 7 - लेखन कौशल**

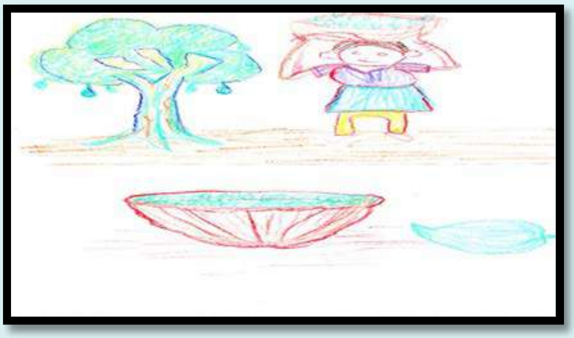

**गतिविधि क्रमांक 7 - लेखन कौशल**

**गतिविधि क्रमांक 8 - रचनात्मक कार्य**

//आंकलन प्रपत्र//

शिक्षक का नाम :— श्रीमती गोमती ठाकुर

कार्यरत संस्था का नाम :— प्राथमिक शाला सरपंच पारा महुपालबरई

मोहल्ला/स्कूल का नाम :— प्रा० शा० सरपंच पारा महुपालबरई

मोबाइल नंबर :— मो.न. 9340165198 व्हाट्सएप न. 9340165198

उपस्थित बच्चों की संख्या :— 14

दिनांक/दिन :— 17/11/20, 21/11/20, 23/11/20

1. पाठ का नाम :— आम की टोकरी
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ :— 3 दिन
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आई ? हाँ/नहीं :— हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई ? हाँ/नहीं :— हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों ? और कौन–सी गतिविधि नहीं कराई ? :—
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन–कौन सी समस्याएँ हुई ? :— कोई समस्या नही हुई।
7. कौन–कौन सी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी ?:— सभी गतिविधियों मे बच्चो की सक्रिय सहभागिता थी।
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव :— बच्चो को उनके मातृभाषा और स्थानिय परिवेश से जोड़कर खेल खेल मे पढ़ाया जाय जिससे बच्चे की सक्रिय सहभागिता होगी और बच्चे भी गतिविधियों के माध्यम से सीख पायेंगे।
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव :— पाठ पढ़ाने के दौरान मुझे काफी अच्छा अनुभव प्राप्त हुआ बच्चे अपने आसपास लगने वाले "हाट" मे क्या क्या मिलता है उसका चर्चा और अभिनय में भाग लिए साथ ही आम की पत्तियों से तोरण
10. पाठ से संबंधित वीडियो (2–3 मिनट) व फोटो। और रंगोली और अन्य कलाकृति भी बनाए।

नाम व हस्ताक्षर
श्रीमती गोमतीठाकुर
स. शि. प.

A_Ofcfice_Letter_Aic_2020_21

# पाठ 2

# चार चने

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH103, LH104, LH106 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| **प्रथम दिवस** | | |
| 1. पाठ में दिए गए चित्रों पर र बातचीत | • चित्रों पर चर्चा करने से बच्चे परिवेश में पाए जाने वाले पशु-पक्षियों के बारे में अपने अनुभव, अपनी मातृभाषा में बता पाएँगे। | **शिक्षक पाठ में दिए गए चूहे, घोड़े, तोते तथा परिवेश में पाए जाने वाले अन्य पशु-पक्षियों पर उनकी मातृभाषा में चर्चा करें -**<br>• इस पाठ में किसके-किसके चित्र दिए गए हैं ?<br>• क्या तुमने तोता देखा है ? तोता किस रंग का होता है?<br>• तोता क्या-क्या खाता है ?<br>• क्या तुमने घोड़ा देखा है ?<br>• घोड़ा किस काम आता है ? |
| 2. कविता को हाव-भाव से सुनाना | • कविता सुनकर बच्चे आनंदित होंगे। | • बच्चे कविता का भरपूर आनंद ले सकें इसलिए शिक्षक बच्चों को लय एवं अभिनय के साथ कविता सुनायें। कविता को दो-तीन बार सुनाएँ। समूह में, जोड़ो में कविता सुनाने के अवसर प्रदान करें ताकि बच्चों को कविता याद हो जाए। वे स्वतंत्र रूप से कविता गा सकें। |
| **द्वितीय दिवस**<br>( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद ) | | |
| 3. कविता पर बातचीत | • कविता पर बातचीत करने से पाठ की समझ विकसित होगी। | **कविता पर बातचीत**<br>1. पैसा पास होता तो कितने चने लाते ?<br>2.चार चने तुम किसको-किसको खिलाते ?<br>3. चना खिलाने पर ये क्या करते-<br>• तोता - ........................<br>• घोड़ा - ........................<br>• चूहा - ........................<br>4. किसने खाया -<br>चार में से<br>एक चना ........................ को खिलाया।<br>दूसरा चना ........................ को खिलाया।<br>तीसरा चना ........................ को खिलाया।<br>एक चना बच गया उसे किसे खिलाओगे ? |

| | | |
|---|---|---|
| **तृतीय दिवस**<br>**( पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| **4. कविता को आगे बढ़ाओं** | ● विभिन्न पशु-पक्षियों के नाम जोड़कर कविता को आगे बढ़ाने से बच्चों की कल्पनाशीलता, सृजनशीलता एवं अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा। | **कविता को आगे बढ़ाओं -**<br>शिक्षक बच्चों को गाय, मुर्गी, बिल्ली, बंदर, बकरी आदि पशु-पक्षियों के नाम जोड़कर कविता को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करें।<br>उदा. -<br>पैसा पास होता तो चार चने लाते,<br>चार में से एक चना मुर्गी को खिलाते।<br>मुर्गी को खिलाते तो कुकड़ू कूँ बोलती,<br>कुकड़ू कूँ बोलती तो बड़ा मजा आता।। |
| **चतुर्थ दिवस**<br>**( पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| **5. रचनात्मकता** | ● चित्र बनाने से प्रारंभिक लेखन, क्रमबद्ध चिंतन एवं अर्थ समझने के कौशल का विकास होगा। | आओ चित्र बनाएँ-<br>शिक्षक क्रमानुसार ब्लैकबोर्ड पर चित्र बनाकर बच्चों को भी वैसे ही बनाने के निर्देश दें।<br> (1) (2)<br> (3) (4) |
| **पंचम दिवस** | | |

**आकलन**

- तोता को चना खिलाने से मजा क्यों आता ?
- चना खिलाने पर कौन पीठ पर बैठाता है ?
- चूहों ने तुम्हारे घर की कौन-कौन सी चीजों को कुतरा है ?
- तुम्हारे पास पैसे होंगे तो तुम क्या करोगे ?

**बताओ, मैं कौन हूँ -**

- म्याऊँ- म्याऊँ करती हूँ, दूध चुराकर पीती हूँ।
- टर्र-टर्र मैं करता हूँ, जल में, थल में रहता हूँ।
- ची-चीं चीं-चीं करता हूँ, घर-घर घूमा करता हूँ।
- मीठा दूध तुम्हें देती, माँ ऽऽऽ की टेर लगाती।

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

## शिक्षक का अनुभव -

(हेमलता नायक, शिक्षक, शा.प्रा.शाला भाटागुड़ा, वि.ख. दरभा)

**गतिविधि क्रमांक 2 समूह में कविता को हाव-भाव से सुनाना**

**गतिविधि क्रमांक 2 समूह में कविता को हाव-भाव से सुनाना**

**गतिविधि क्रमांक 5 रचनात्मकता**

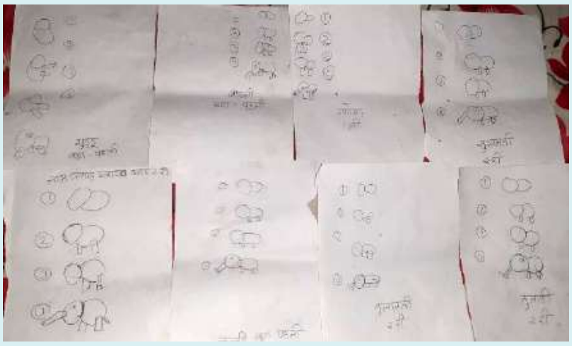

**आकलन - बताओ, मैं कौन हूँ -**

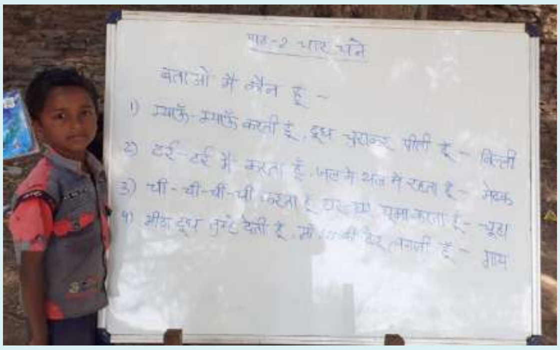


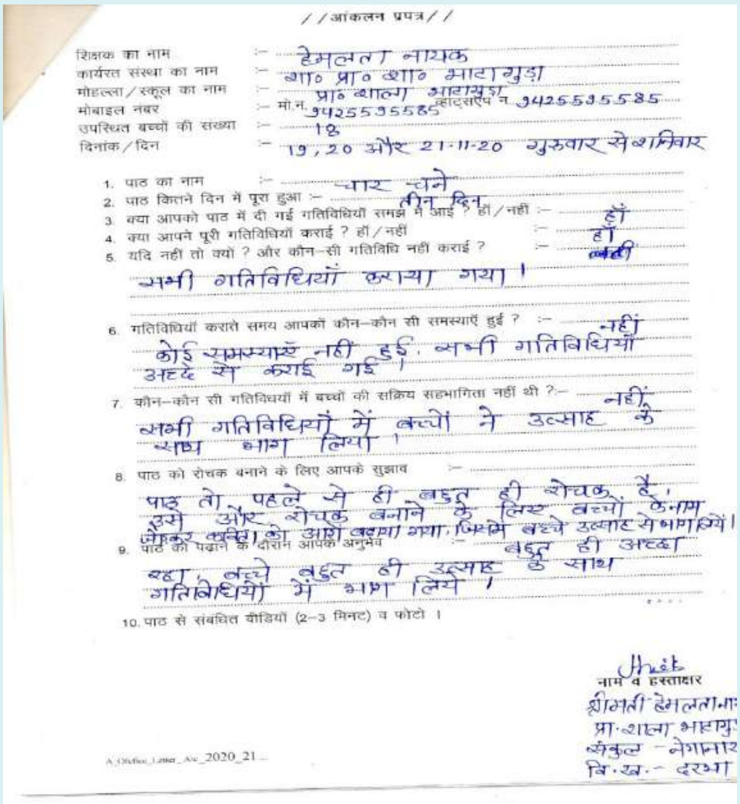

//आंकलन प्रपत्र//

शिक्षक का नाम :- हेमलता नायक
कार्यरत संस्था का नाम :- शा० प्रा० शा० भाटागुड़ा
मोहल्ला/स्कूल का नाम :- प्रा० शाला भाटागुड़ा
मोबाइल नंबर :- मो.न. 9425535585 व्हाट्सएप न. 9425535585
उपस्थित बच्चों की संख्या :- 18
दिनांक/दिन :- 19, 20 और 21-11-20 गुरुवार से शनिवार

1. पाठ का नाम :- चार चने
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ :- तीन दिन
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आई ? हाँ/नहीं :- हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई ? हाँ/नहीं :- हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों ? और कौन-सी गतिविधि नहीं कराई ? :- नहीं
सभी गतिविधियाँ कराया गया।
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन-कौन सी समस्याएँ हुई ? :- नहीं
कोई समस्याएँ नहीं हुई, सभी गतिविधियाँ अच्छे से कराई गई।
7. कौन-कौन सी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी ?:- नहीं
सभी गतिविधियों में बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया।
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव :-
पाठ तो पहले से ही बहुत ही रोचक है, उसे और रोचक बनाने के लिए बच्चों के नाम जोड़कर कविता को आगे बढ़ाया गया, जिसमें बच्चे उत्साह से भाग लिये।
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव :- बहुत ही अच्छा रहा, बच्चे बहुत ही उत्साह के साथ गतिविधियों में भाग लिये।
10. पाठ से संबंधित वीडियो (2-3 मिनट) व फोटो।

नाम व हस्ताक्षर
श्रीमती हेमलता ना[illegible]
प्रा.शाला भाटागु[illegible]
संकुल - नेगानार
वि.ख. - दरभा

A_Offline_Letter_A/c_2020_21

# पाठ 3

# चूहों! म्याऊँ सो रही है

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH103, LH104, LH110 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| | **प्रथम दिवस** | |
| 1. पाठ में दिए गए चित्रों पर चर्चा | • मौखिक भाषा विकास हेतु | **पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछें** –<br>शिक्षक कविता पढ़ाने से पूर्व बच्चों से दिए गए चित्रों एवं पूर्व ज्ञान के आधार पर उनकी मातृभाषा में बातचीत करें।<br>• इस पाठ के चित्र में तुमको क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?<br>• बिल्ली कैसे आवाज करती है ?<br>• घर के मटके में क्या-क्या रखा जाता है ?<br>• तुमने किस-किस रंग की बिल्ली देखी है ?<br>• चूहा क्या-क्या खाता है? |
| 2. कविता को हाव-भाव से सुनाना | • कविता सुनकर बच्चों को मजा आएगा।<br>• प्रारंभिक पठन कौशल का विकास हेतु | • बच्चे कविता का भरपूर आनंद ले सकें इसलिए बच्चों को लय एवं अभिनय के साथ कविता सुनाएँ। कविता को दो-तीन बार सुनाएँ। समूह में, जोड़ो में कविता सुनाने के अवसर प्रदान करें ताकि बच्चों को कविता याद हो जाए। वे स्वतंत्र रूप से कविता गा सकें। |
| | **द्वितीय दिवस**<br>**( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | |
| 3. कविता पर बातचीत | • कविता पर बातचीत करने से पाठ की समझ विकसित होगी।<br>• पशुओं के प्रति संवेदनशीलता के भाव विकसित करने हेतु। | **कविता सुनाने के बाद मौखिक प्रश्न पूछना -**<br>शिक्षक कविता सुनाने के बाद जब बच्चों को कविता अच्छे से याद हो जाए तो कविता से संबंधित प्रश्न पूछें -<br>• बिल्ली कहाँ सो रही है ?<br>• बिल्ली की नाक से कैसी आवाज आ रही है ?<br>• बिल्ली को सोया देखकर चूहे क्या करना चाहते हैं?<br>• यदि तुम्हारे घर के आस-पास बिल्ली रहती है तो तुम क्या करोगे?<br>(बच्चों से चर्चा करे कि बिल्ली को न मारे तथा उसे खाने का सामान दे इससे बच्चों में पालतू पशुओं के प्रति प्रेम और देखभाल की भावना का विकास होगा) |
| 4. कविता को अनुमान से पढ़ना | • प्रारंभिक स्तर का पठन अभ्यास (अनुमान लगाकर पढ़ना /लोगोग्राफिक पठन) का विकास होगा। | **पाठ को दिए गए स्तरों के अनुसार पढ़वाएँ -**<br>स्तर 1 कविता को ब्लैक बोर्ड या ड्राइंग शीत पर लिखकर शिक्षक आदर्श पठन करें।<br>स्तर 2 कक्षा के पूरे बच्चे और शिक्षक साथ में मिलकर पाठ पढ़ें।<br>स्तर 3 बच्चों को जोड़े में या छोटे समूह में पढ़ने कहें, आवश्यकतानुसार पढ़ने में मदद करें। |

| | | |
|---|---|---|
| | | स्तर 4 स्वतंत्र रूप से बच्चों को पाठ पढ़वाएं। |
| **तृतीय दिवस**<br>**( पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| 5. ध्वनि जागरूकता के खेल | • इस गतिविधि से बच्चे वाक्य में आए शब्दों व वर्णों की ध्वनि की छोटी इकाई को समझ पाएँगे। | शिक्षक दिए गए वाक्य/शब्द को ब्लैकबोर्ड पर लिखे फिर ताली बजाकर उच्चारण करवाएँ।<br>• **वाक्य स्तर पर -**<br>1. "चूहों म्याऊं सो रही है।"<br>दिए गए वाक्य के प्रत्येक शब्द पर एक-एक ताली बजवाएँ (कुल 5 ताली)।<br>2. 'घर के पीछे'<br>तीनों शब्दों पर 1 -1 ताली। (कुल तीन तालियां।)<br>• **शब्द स्तर पर -**<br>1. घर (घ, र के लिए 1-1 ताली) (कुल 2ताली)।<br>2. मटका (म, ट, का के लिए 1+1+1 कुल तीन तालियाँ।) |
| 6. सृजनशीलता | • बच्चों को चित्र बनाने में मजा आएगा।<br>• लेखन कार्य में परिपक्वता होगी। | **आओं चित्र बनाएँ –**<br>**शिक्षक क्रमानुसार ब्लैकबोर्ड पर चित्र बनाकर बच्चों को भी वैसे ही बनाने के निर्देश दें।**<br> <br><br>**बन गया चूहा** |
| **चतुर्थ दिवस** | | |

**आकलन**

- कक्षा में बच्चों को चूहे बिल्ली का खेल खिलाएँ, जिसमें एक बच्चे को बिल्ली बनकर सोने का अभिनय करवाएँ तथा उसके आसपास कुछ वस्तुएं रख दे जैसे पेन, पेंसिल, रबर आदि। अब बाकी बच्चे चूहा बन कर आएंगे और सामान उठाकर ले जाने का प्रयास करें।
- चूहे या बिल्ली से सम्बंधित कोई अन्य कविता या कहानी सुनाओ।
- अपने पसंद का कोई चित्र बनाओ।

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ**

**शिक्षक का अनुभव -**

**सुश्री पुष्पा शुक्ला, मोहल्ला क्लास - शा. प्राथ. शाला तेलीबांधा रायपुर**

| गतिविधि क्रमांक 4 कविता को अनुमान से पढ़ना | आकलन |
| --- | --- |
| | |
| **आकलन** | **आकलन** |
| | |

# पाठ 4

# पगड़ी

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH103, LH104, LH105, LH110 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| **प्रथम दिवस** | | |
| 1. चित्रों पर बातचीत | • चित्र पर चर्चा करने से बच्चे परिवेश में पहने जाने वाले पोशाकों के बारे में अपने अनुभव, अपनी मातृभाषा में बता पाएँगे। | शिक्षक बच्चों को चित्र देखने कहें व चित्र से संबंधित चर्चा मातृभाषा में करें। <br>• चित्र में क्या-क्या दिख रहा है ?<br>• क्या सभी लोग 'टोपी' या 'पगड़ी' पहनते हैं ?<br>• आपके घर या आस पड़ोस में कौन-कौन टोपी या पगड़ी पहनते हैं?<br>• पगड़ी किससे बनती है? |
| 2. कविता को लय व अभिनय के साथ सुनाना | • कविता सुनकर बच्चे आनंदित होगें। | • बच्चे कविता का भरपूर आनंद ले सकें इसलिए शिक्षक बच्चों को लय एवं अभिनय के साथ कविता सुनायें। कविता को दो-तीन बार सुनाएँ। समूह में, जोड़ो में कविता सुनाने के अवसर प्रदान करें ताकि बच्चों को कविता याद हो जाए और वे स्वतंत्र रूप से कविता गा सकें। |
| **द्वितीय दिवस**<br>**( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| 3. कविता पर बातचीत | • कविता पर बातचीत से बच्चों में कल्पनाशीलता, तर्क, चिंतन कौशल का विकास होगा। | • पगड़ी कैसी थी?<br>• पगड़ी को साफ करने के लिए क्या किया गया?<br>• पगड़ी क्यों फट गई?<br>**मालकिन ने मैली पगड़ी को खूब रगडकर साफ़ किया। तुम इन चीजों को किससे साफ करोंगे -**<br>1. हाथ<br>2. बर्तन<br>3. पत्ते<br>4. जूते<br>5. दाँत |

| | | |
|---|---|---|
| | | • **पगड़ी को खूब रगड़ा तो पगड़ी फट गई। बताओ इनको खूब रगड़ोगे तो क्या होगा -**<br>1. कागज<br>2. बर्तन<br>3. जूते<br>4. स्वेटर<br>5. फर्श |
| **4. समान ध्वनि वाले शब्दों की पहचान** | • समान ध्वनि वाले शब्दों को पहचान पाएँगे। | **शिक्षक बच्चों से समान ध्वनि वाले शब्दों को पूछें। बच्चों द्वारा बताए गए शब्दो को ब्लैकबोर्ड में लिखें एवं ताली बजाकर उच्चारण करवायें-**<br>• पगड़ी, तगड़ी, ..........., ………....<br>• मोटी, छोटी, ..........., ……….... |
| **5. लोगोग्राफिक पठन** | • बच्चे पाठ को अनुमान से पढ़ना सीखेगें।<br>• पाठ में दिए गए शब्दों से परिचित होंगे। | **पाठ को दिए गए स्तरों के अनुसार पढ़वाएँ -**<br>स्तर 1 कविता को ब्लैक बोर्ड पर लिखकर शिक्षक आदर्श पठन करें।<br>स्तर 2 कक्षा के पूरे बच्चे और शिक्षक साथ में मिलकर पाठ पढ़ें।<br>स्तर 3 बच्चों को जोड़े में या छोटे समूह में पढ़ने कहें, आवश्यकतानुसार पढ़ने में मदद करें।<br>स्तर 4 स्वतंत्र रूप से बच्चों को पाठ पढ़वाएं। |
| **तृतीय दिवस<br>( पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| **6. लेखन कौशल** | • शुरूआती लेखन कौशल का विकास होगा। | **शिक्षक** बच्चों से बाल्टी या पगड़ी का चित्र बनवाएँ एवं बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों पर चर्चा करें। |
| **7. रचनात्मकता** | • अभिनय करने से बच्चों को आंनद आएगा।<br>• कल्पनाशीलता का विकास होगा। | **अभिनय करो -**<br>• पगड़ी बांधने का<br>• झगड़ने का<br>• कपड़ा धोने का |

**चतुर्थ दिवस**

**आकलन**

- शब्दों का समान शब्दों से मिलान करावे :-

| क | ख |
|---|---|
| पगड़ी → | तगड़ी |
| रगड़ी | झगड़ी |
| तगड़ी | पगड़ी |
| झगड़ी | रगड़ी |

- मालकिन क्यों नाराज हो गई ?
- यदि आपसे कोई झगड़ा करेगा तो तुम क्या करोगे ?
- दांत साफ़ करने के लिए तुम क्या करते हो ?

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

## शिक्षक का अनुभव -
## सुश्री पुष्पा शुक्ला

**गतिविधि क्रमांक 1 चित्रों पर बातचीत**

**गतिविधि क्रमांक 2 कविता को लय व अभिनय के साथ सुनाना**

**गतिविधि क्रमांक 6 लेखन कौशल**

**आकलन - शब्दों का समान शब्दों से मिलान कराना**

# पाठ 5

# गमला

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH103, LH104, LH110, LH115 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| **प्रथम दिवस** | | |
| 1. चित्र पर बातचीत | • पाठ में दिए गए चित्र पर चर्चा करने से बच्चों में सूक्ष्म अवलोकन कौशल का विकास होगा।<br>• बच्चे अपने अनुभव को कक्षा में साझा कर पाएंगे।<br>• पाठ में आए मुख्य शब्द जैसे गमला, रस्सी, नल, मछली से परिचित होंगे। | शिक्षक कविता पढ़ाने से पूर्व बच्चों से दिए गए चित्र एवं पूर्व ज्ञान के आधार पर उनकी मातृभाषा में बातचीत करें।<br> <br>• चित्र में बच्चे क्या कर रहे हैं ?<br>• लड़का गमले में पानी क्यों डाल रहा है ?<br>• क्या तुमने कभी पौधा लगाया है ? यदि हाँ तो कहाँ।<br>• तुमने किस-किस प्रकार के गमले देखे हैं ? |
| 2. कविता को हाव-भाव से सुनाना | • कविता को हाव-भाव से सुना पाएंगे।<br>• पाठ को अनुमान से पढ़ने पर पाठ के मुख्य शब्दों को पहचान पाएँगे। | • बच्चे कविता का भरपूर आनंद ले सकें इसलिए बच्चों को लय एवं अभिनय के साथ कविता को दो-तीन बार सुनाएँ। फिर बच्चों को समूह में, जोड़ो में कविता सुनाने के अवसर प्रदान करें ताकि बच्चों को कविता याद हो जाए और वे स्वतंत्र रूप से कविता गा सकें। |
| **द्वितीय दिवस**<br>**( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| 3. कविता पर बातचीत | • कविता पर चर्चा करने से पाठ पर समझ विकसित होगी।<br>• पेड़–पौधों के देखभाल संबंधी नैतिक मूल्यों का विकास होगा। | शिक्षक कविता सुनाने के बाद जब बच्चों को कविता अच्छे से याद हो जाए तो कविता से संबंधित मौखिक प्रश्न पूछें -<br>• गमले में क्या लगा है ?<br>• लड़की क्या कर रही है ?<br>• लड़का पौधे में पानी क्यों डाल रहा है ?<br>• पौधे और कहाँ-कहाँ लगाएँ जा सकते हैं ?<br>• तुम कौन-सा पौधा लगाना चाहोगे और उसकी देखभाल कैसे करोगे?<br>• रस्सी कूदने का खेल कैसा लगता है।<br>• तुम्हें कौन-कौन से खेल पसंद हैं ? |

| | | |
|---|---|---|
| **4 . लोगोग्राफिक पठन** | • बच्चे पाठ को अनुमान से पढ़ना सीखेगें।<br>• पाठ में दिए गए शब्दों से परिचित होंगे। | **पाठ को दिए गए स्तरों के अनुसार पढ़वाएँ-**<br>स्तर 1 कविता को ब्लैक बोर्ड पर लिखकर शिक्षक आदर्श पठन करें।<br>स्तर 2 कक्षा के पूरे बच्चे और शिक्षक साथ में मिलकर पाठ पढ़ें।<br>स्तर 3 बच्चों को जोड़े में या छोटे समूह में पढ़ने कहें, आवश्यकतानुसार पढ़ने में मदद करें।<br>स्तर 4 स्वतंत्र रूप से बच्चों को पाठ पढ़वाएं ।<br>कविता के वाक्यों को ड्राइंग शीट में लिखकर वाक्य पट्टी बना ले। अब कविता को ब्लैक बोर्ड पर लिखकर बच्चों को वाक्य पट्टी से मिलान करने व पाठ अनुसार क्रम से जमाने का कार्य करवाएं। |
| **तृतीय दिवस**<br>**( पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| **5. शब्द पहचान** | • शब्दों से परिचित हो पाएँगे।<br>• शब्दों का सही उच्चारण कर पाएँगे।<br>• शब्द स्तर की छोटी इकाई को समझ पाएंगे। जैसे-गमला में ग/म/ला। | **शब्द पहचान**<br>(अ) कविता में आए शब्दों (जैसे गमला, मछली, नल) की छोटी इकाई को पहचानने के लिए ताली बजाने या चुटकी बजाने का खेल कराएं।<br>जैसे -<br>• गमला - ग म ला (3 ताली)<br>• मछली -<br>• नल -<br>(ब) शब्दों से वर्णों को अलग करो –<br>1 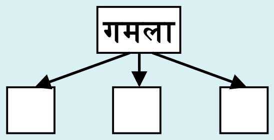 <br>2 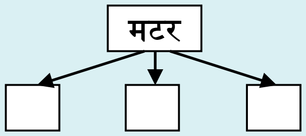 <br>3 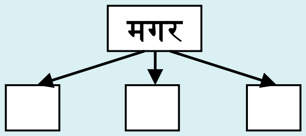 <br>4 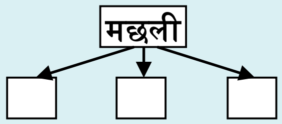  |

| | | |
|---|---|---|
| **6. वर्ण की पहचान (ग, म, न, र)** | • ग, म, न, र की वर्ण आकृति को पहचान पाएँगे।<br>• इन वर्णों को जोड़कर सार्थक व निरर्थक शब्द बना पाएँगे। | **लेखन कौशल विकास के लिए अभ्यास –**<br>● पाठ में आए वर्ण ग, म, न, र को विभिन्न गतिविधियों से लिखवाना। जैसे - रेत में लिखना, हवा में वर्ण आकृति बनाना, दोस्तों की हथेली में लिखना आदि।<br>● वर्णों को जोड़कर शब्द बनाओ। (इस अभ्यास के लिए सहायक शिक्षण सामग्री (TLM) का उपयोग कर अन्य शब्द भी बना सकते हैं।) जैसे - नरम, मन, नग आदि। |
| **चतुर्थ दिवस ( पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| **7. सोचो और बताओ** | • बच्चों में पेड़-पौधों के संरक्षण एवं रख रखाव की समझ बन पाएगी। | • यदि पेड़-पौधे में पानी नहीं डालोगे तो क्या होगा ?<br>• अपने घर/स्कूल के गमले में पौधा लगाओ। बताओ तुम्हें पौधा लगाने के लिए किन-किन चीजों की आवश्यकता होगी ? |
| **8. स्वयं करके देखो** | • रस्सी कूदने में बच्चों को आनंद आएगा।<br>• बच्चे स्वयं करके सीखेंगे। | • रस्सी कूदों।<br>• गमले या डब्बे में पौधा लगाओ।<br>• विद्यालय प्रांगण के पौधों में पानी डालो। |

**पंचम दिवस**

**आकलन -**

1. दिए गए वर्णों को पहचानो और गोल घेरा लगाओ -

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (ग) ज | ज ग | म ग र | ग ग न | अ ल ग |
| (म) ग | ह म | म ग न | च म न | क ल म |
| (न) र | म न | अ म न | न म न | व ज न |

2. दिए गए वर्णों को पढ़ो व लिखो-
   - मग, नम, मन, नर
     
     ..............................................
   - गरम, नरम, गगन, मगर
     
     ..............................................

3. 'ग' से शुरू होने वाले शब्द बताओ।

   .........................................................................................

4. 'म' वर्ण से शुरू होने वाले सब्जियों के नाम बताओ।

   .........................................................................................

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

शिक्षक का अनुभव -

(श्रीमती हीरमती भारद्वाज, शिक्षक, शा.प्रा.शाला उसरीबेड़ा, धुरागाँव)

**गतिविधि क्रमांक 2 कविता को हाव-भाव से सुनाना**

**गतिविधि क्रमांक 4 लोगोग्राफिक पठन**

**गतिविधि क्रमांक 4 लोगोग्राफिक पठन**

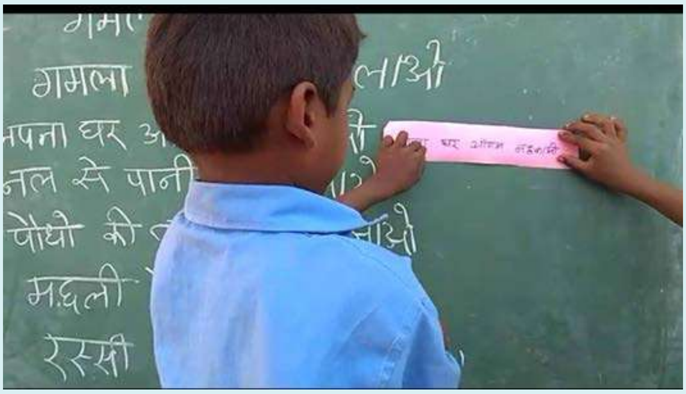


**गतिविधि क्रमांक 6 - वर्ण की पहचान (ग, म, न, र)**

**गतिविधि क्रमांक 6 - वर्ण की पहचान (ग, म, न, र)**

**आकलन - दिए गए वर्णों को पहचानो और गोल घेरा लगाओ**

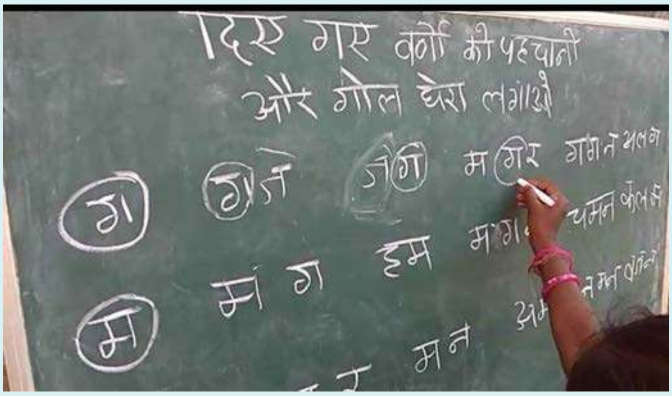

//आंकलन प्रपत्र//

शिक्षक का नाम :– श्रीमती हीरमती भारद्वाज

कार्यरत संस्था का नाम :– प्रा० शा० उसरीबेड़ा

मोहल्ला/स्कूल का नाम :– धुरागाँव

मोबाइल नंबर :– मो.न. 9406077276 व्हाटसएप न. 9406077276

उपस्थित बच्चों की संख्या :– 10

दिनांक/दिन :– 19.11.20 गुरुवार, 21.11.20 शनिवार, 23.11.20 सोमवार

1. पाठ का नाम :– पाठ-5 गमला
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ :– 3 दिन
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आई ? हॉ/नही :– हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई ? हॉ/नही :– हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों ? और कौन–सी गतिविधि नहीं कराई ? :– —
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन–कौन सी समस्याएँ हुई ? :– गतिविधि के दौरान कुछ बच्चे कविता को लय के साथ अच्छे से नहीं बोल पा रहे थे। तथा
7. कौन–कौन सी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी ?:– [illegible] —
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव :– कविता वाचन तथा पाठ को पढ़ाते समय अगर अधिक से अधिक (TLM) का प्रयोग करने से कविता को और अधिक रोचक बनाया जा सकता था तथा पाठ को सीखने में भी आसान होगा।
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव :– इस पाठ की पूरी गतिविधि को बच्चे बहुत मजे से किए उन्हें सबसे ज्यादा आनन्द ताली बजाकर ध्वनि पहचान में आया। वे बहुत अच्छे ध्वनि को पकड़ व समझ ले रहे थे।
10. पाठ से संबंधित वीडियो (2–3 मिनट) व फोटो ।

हीरमती भारद्वाज

नाम व हस्ताक्षर

# पाठ 6

# अनार

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH103, LH104, LH105, LH107, LH108, LH109, LH110, LH111, LH113 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| **प्रथम दिवस** | | |
| **1 चित्र पर बातचीत** | • चित्र पर बातचीत करने से पाठ के बारे में अनुमान लगा पाएँगे।<br>• बच्चों अपने अनुभवों को बता पाएँगे।<br>• मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा। | शिक्षक पूर्व ज्ञान के आधार पर बच्चों से लड़की, अनार, फूल, जहाज, दादा/दादी, नाना/नानी के बारे में बातचीत करें।<br>**पाठ में आए चित्र को दिखाकर पूछे-**<br>• इस चित्र में तुम्हें क्या–क्या दिखाई दे रहा है ? (यदि बच्चे अपनी भाषा में बताते हैं तो उन्हें सहर्ष स्वीकार करें और उन्हें बोलने के लिए प्रोत्साहित करें)<br>• लड़की क्या कर रही है ?<br>• तुम कौन –कौन से फल खाते हो ?<br>• अनार का रंग कैसे होता है ?<br>• कमल फूल कहाँ खिलता है? |
| **2 कविता को हाव-भाव के साथ सुनाना** | • कविता को सस्वर सुना पाएँगे। | • बच्चे कविता का भरपूर आनंद ले सकें इसलिए बच्चों को लय एवं अभिनय के साथ कविता सुनाएँ। शिक्षक कविता को दो-तीन बार सुनाएँ। बच्चों को समूह में, जोड़ो में कविता सुनाने के अवसर प्रदान करें ताकि बच्चों को कविता याद हो जाएँ और वे स्वतंत्र रूप के कविता गा सकें। |
| **द्वितीय दिवस**<br>**( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| **3 कविता पर बातचीत** | • कविता पर बातचीत करने से पाठ का अर्थ समझ पाएँगे एवं नए शब्दों से परिचित होंगे। | शिक्षक कविता सुनाने के बाद जब बच्चों को कविता अच्छे से याद हो जाए तो कविता से संबंधित प्रश्न पूछें -<br>• अनार का रंग कैसा है ?<br>• नानी क्या चूस रही है ?<br>• गाना कौन गा रहा है ?<br>• गाना कौन सुन रहा है ?<br>• जहाज कौन चला रहा है ?<br>• कविता में कौन से फूल के बारे में बताया गया है ? |
| **4 लोगोग्राफिक पठन** | • चित्र के आधार पर कविता में आए मुख्य शब्दों को पहचान पाएँगे।<br>• पाठ में आए शब्दों को पढ़ पाएँगे। | • शिक्षक कविता को ड्राइंगशीट या बोर्ड पर लिखकर उस पर उँगली रखते हुए क्रमशः आदर्श पठन, साझा पठन, मार्गदर्शनयुक्त पठन और अंत में स्वतंत्र पठन कराएँ।<br>• शिक्षक बच्चों से कविता की अलग–अलग लाइनों को बोलकर उन्हें बोर्ड पर उस लाइन को पहचानने की गतिविधि भी कराएँ। |

| | | |
|---|---|---|
| **तृतीय दिवस**<br>**( पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| 5 ध्वनि जागरूकता के खेल | • समान ध्वनि वाले शब्दों बता पाएँगे \| | 1. शिक्षक कविता की लाइन में आए शब्दों और शब्दों में आई ध्वनि की छोटी इकाइयों (वर्णों और अक्षरों) को पहचानने के लिए खेल कराएँ \|<br>**(अ) वाक्य स्तर पर –**<br>दिए गए वाक्य में जितने शब्द हैं उतनी चुटकी बजाएँ \|<br>नानी खाएं लाल अनार<br>**2. शब्द स्तर पर –**<br>दिए गए शब्द में जितने वर्ण है उतनी ताली बजाओ–<br>कमल, अनार, आम, जहाज, गाना<br>**3. समान तुक वाले शब्द बनाओं -**<br>• आम, ......., ......., ......,<br>• गाना ......., ......., ......, |
| 6 वर्णों को जोड़ो कर पढ़ो और लिखो | • अ, आ, क, ज, स, ल, त वर्ण की पहचान कर पाएँगे \|<br>• वर्णों को जोड़कर शब्द बना पाएँगे व उसे पढ़ भी पाएँगे \| | **वर्णों को जोड़कर पढ़ो और लिखो-**<br>(उदा.) [ना] [नी] → [नानी]<br>(1) [गा] [ना] → [ ]<br>(2) [ज] [हा] [ज] → [ ]<br>(3) [स] [रौ] [ता] → [ ] |
| **चतुर्थ दिवस**<br>**( पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| 7 शब्द पहचान | • बच्चे पाठ में आए शब्दों को पहचान पाएँगे\| उसका उच्चारण भी कर पाएँगे \| | **चित्र के आधार पर शब्द को पहचानना –**<br>1. अनार, आम, कमल, जहाज, सरौता, लड़की शब्द के चित्र दिखाकर उनके नाम पूछें \|<br>2. चित्र का शब्द के साथ मिलान करवाएँ\| |

| | | |
|---|---|---|
| 8 रचनात्मक कौशल | • चित्र बनाने से बच्चों को आनंद आएगा \|<br>• बच्चे के लेखन कौशल में सुधार होगा \|<br>• बच्चों में रचनात्मक एवं सृजनात्मक कौशल का विकास होगा। | **आओ कागज का कुत्ता बनाएँ -**<br>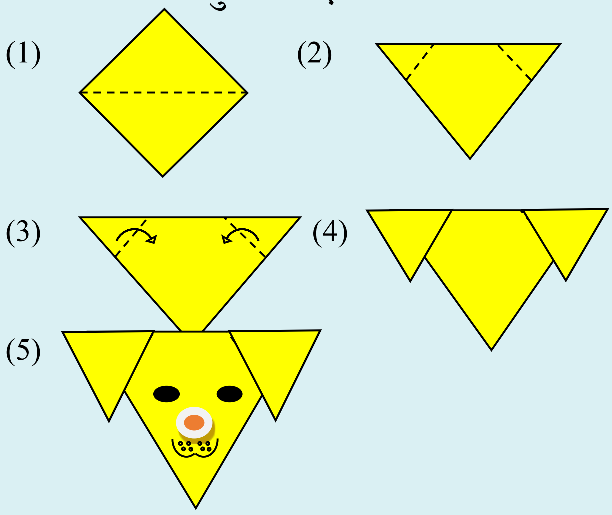<br><br>1. कमल और आम का चित्र बनाओ \|<br>2. आम से संबंधित कोई कविता सुनाओ \| |

## पंचम दिवस

**आकलन -**

1. खाने की किसी चीज का नाम बताओ जिसका नाम “आ” से शुरू होता है।
2. लाल रंग की चीजों के नाम बताओं।

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

## शिक्षक का अनुभव -

**श्रीमती हीरमती भारद्वाज**

**गतिविधि क्रमांक 6 - वर्णों को जोड़ो कर पढ़ो और लिखो**

**गतिविधि क्रमांक 1 - चित्र पर बातचीत**

**गतिविधि क्रमांक 5 - ध्वनि जागरूकता के खेल**

**गतिविधि क्रमांक 6 - वर्णों को जोड़ो और पढ़ो और लिखो**

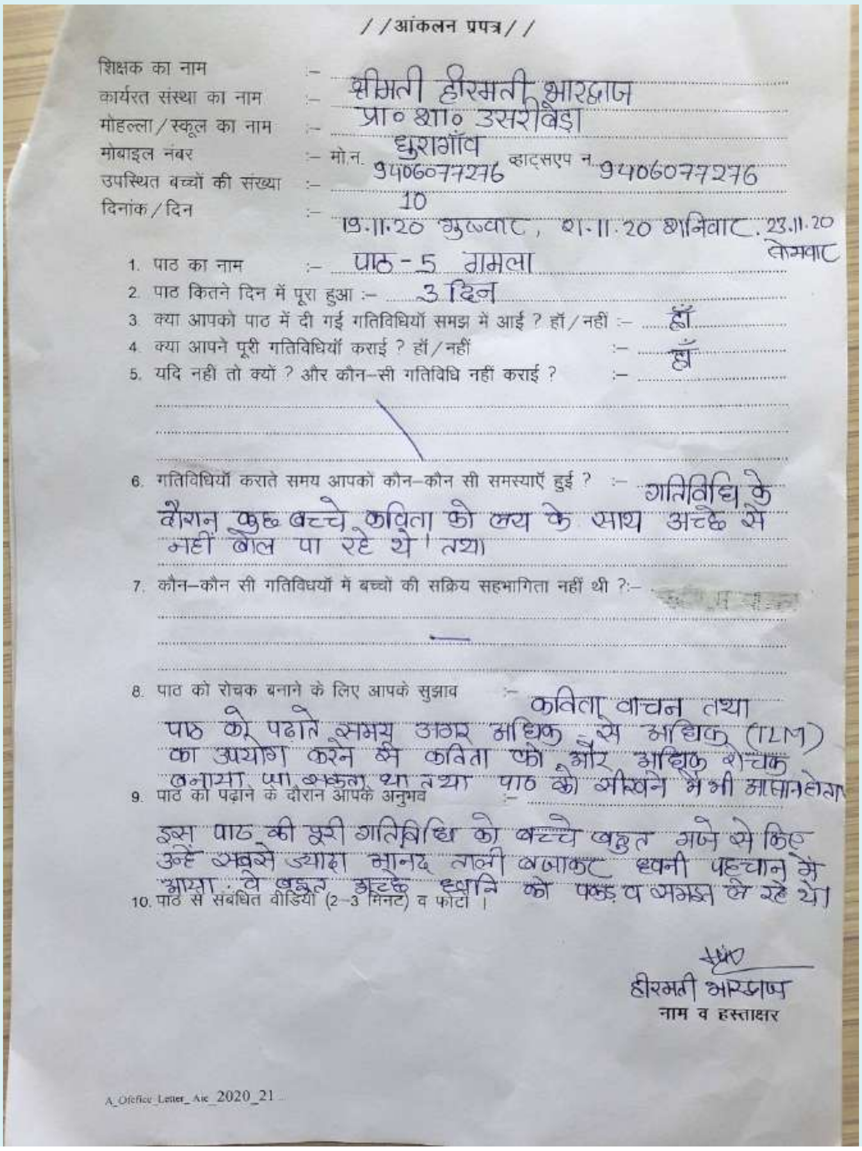

//आंकलन प्रपत्र//

शिक्षक का नाम :- श्रीमती हीरमती भारद्वाज

कार्यरत संस्था का नाम :- प्रा० शा० उसरीबेड़ा

मोहल्ला/स्कूल का नाम :- धुरागाँव

मोबाइल नंबर :- मो.न. 9406077276 व्हाट्सएप न. 9406077276

उपस्थित बच्चों की संख्या :- 10

दिनांक/दिन :- 19.11.20 गुरुवार, 21.11.20 शनिवार. 23.11.20 सोमवार

1. पाठ का नाम :- पाठ - 5 गमला
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ :- 3 दिन
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आई ? हाँ/नहीं :- हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई ? हाँ/नहीं :- हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों ? और कौन-सी गतिविधि नहीं कराई ? :-
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन-कौन सी समस्याएँ हुई ? :- गतिविधि के दौरान कुछ बच्चे कविता को लय के साथ अच्छे से नहीं बोल पा रहे थे। तथा।
7. कौन-कौन सी गतिविधयों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी ?:- —
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव :- कविता वाचन तथा पाठ को पढ़ाते समय अगर अधिक से अधिक (TLM) का उपयोग करने से कविता को और अधिक रोचक बनाया जा सकता था तथा पाठ को सीखने में भी आसान होता।
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव :- इस पाठ की पूरी गतिविधि को बच्चे बहुत मजे से किए उन्हें सबसे ज्यादा आनंद ताली बजाकर ध्वनी पहचान में आया. वे बहुत अच्छे ध्वनि को पकड़ व समझ ले रहे थे।
10. पाठ से संबंधित वीडियो (2-3 मिनट) व फोटो।

हीरमती भारद्वाज
नाम व हस्ताक्षर

A_Ofefice_Letter_Aie_2020_21

# पाठ – 7

# राजा आ

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH103, LH107, LH110, LH111 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| **प्रथम दिवस** | | |
| 1. चित्र पर चर्चा | • पाठ में दिए गए चित्र पर चर्चा करने से बच्चों में सूक्ष्म अवलोकन करने की क्षमता विकसित होगी तथा वे अपने अनुभवों को कक्षा में साझा कर पाएँगे। | • चित्र मे कौन-कौन दिखाई दे रहा है ?<br>• बच्चे क्या कर रहे हैं ?<br>• चित्र मे दिखाएँ गए वाद्य-यंत्र (बाजा) का नाम क्या है ?<br>• बच्चे क्यों नाच रहे हैं ?<br>• बाजा कौन बजा रहा है ?<br>• शादी या त्यौहार में आपने किस-किस प्रकार का बाजा बजते देखा है ? |
| 2. कविता को हाव-भाव के साथ सुनाना | • कविता को हाव-भाव से सुना पाएँगे। | • बच्चे कविता का भरपूर आनंद ले सकें इसलिए बच्चों को लय एवं अभिनय के साथ कविता सुनाएँ\| शिक्षक कविता को दो-तीन बार सुनाएँ\| बच्चों को समूह में, जोड़ो में कविता सुनाने के अवसर प्रदान करें ताकि बच्चों को कविता याद हो जाएँ और वे स्वतंत्र रूप के कविता गा सकें \| |
| **द्वितीय दिवस**<br>( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद ) | | |
| 3. कविता पर बातचीत | • कविता पर चर्चा करने से पाठ पर समझ विकसित होगी। | • कविता मे बाजा कौन ला रहा है ?<br>• राजा क्या कर रहा है ?<br>• बाजा कौन बजा रहा है ?<br>• मामा किसे कहते हैं ?<br>• राजा को कौन बुला रहा है ?<br>• बच्चे क्यों नाच रहे हैं ?<br>• क्या तुमको नाचना पंसद हैं ?<br>• तुम कब-कब नाचते हो ? |
| 4. समान ध्वनि वाले शब्द | • कविता में आए समान ध्वनि वाले शब्दों को समझ पाएंगे। | समान ध्वनि वाले शब्द बताओ-<br>राजा, बाजा, ....... , ....... , .......<br>मामा, नाना, ....... , ....... , ....... |
| **तृतीय दिवस**<br>( पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद ) | | |

| | | |
|---|---|---|
| **5. पठन एवं लेखन कौशल** | • पाठ में दिए गए वर्णों में ‘ा (आ) की मात्रा जोड़कर नया शब्द बना पाएँगे।<br>• ‘ा (आ) की मात्रा वाले शब्दों को पढ़ पाएँगे। | • **‘ा’ की मात्रा जोड़कर लिखो और पढ़ो -**<br>1. कल - ..................<br>2. तल - ..................<br>3. बल - ..................<br>4. जल - ..................<br>5. मल - ..................<br><br>• **दिए गए वर्णों को मिलाकर पढ़ो और लिखो -**<br>1. आ म - आम<br>2. का ला - ..........<br>3. ना म - ........<br>4. ना ना - ..........<br>5. का म - .........<br>6. ला ल - ..........<br>7. रा जा - .........<br>8. गा ल - .........<br><br>• **वर्ण को मिलाकर पढ़ो -**<br>**1.** **का** **का** **2.** **गा** **ना**<br>**3.** **का** **न** **4.** **ना** **क** |
| **6. रचनात्मकता** | • बच्चों को मजा जाएगा।<br>• वाद्य यंत्रों के बारे में जान पाएँगे। | • बच्चे टेबल पर/पुराने डिब्बे पर/पुराने मटके पर हाथ या पतली डंडी से ध्वनि निकालकर बजाएँ एवं डांस करें।<br>• ताली बजाकर विभिन्न प्रकार से ध्वनि निकालना और उन पर नाचना। |

## चतुर्थ दिवस

**आकलन**

- दी गई कविता को हाव-भाव से गाओ और बताओ -

  किसे बताऊँ, कहाँ में जाऊँ।
  गरम जलेबी, कैसे पाऊँ।
  कैसे करके, उसे मैं खाऊँ।
  कैसे कोई, जुगत लगाऊँ।
  मम्मी को मैं, कैसे मनाऊँ।

- **समान ध्वनि वाले शब्द बताओ -**

  1. जाऊँ .............................
  2. जलेबी का चित्र बनाओ।

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

## शिक्षक का अनुभव -

(श्रीमती अनिता ताम्रकार, सहायक शिक्षक, शास. प्राथ. शाला रानीझाप वि.ख. गौरेला जिला गौलेरा-पेण्ड्रा-मरवाही)

**गतिविधि क्रमांक 2**

**कविता को हाव-भाव के साथ सुनाना**

**गतिविधि क्रमांक 5**

**पठन एवं लेखन कौशल**

**गतिविधि क्रमांक 5**

**पठन एवं लेखन कौशल**

**गतिविधि क्रमांक 5**

**पठन एवं लेखन कौशल**

**गतिविधि क्रमांक 6**

**रचनात्मकता**

**आकलन**

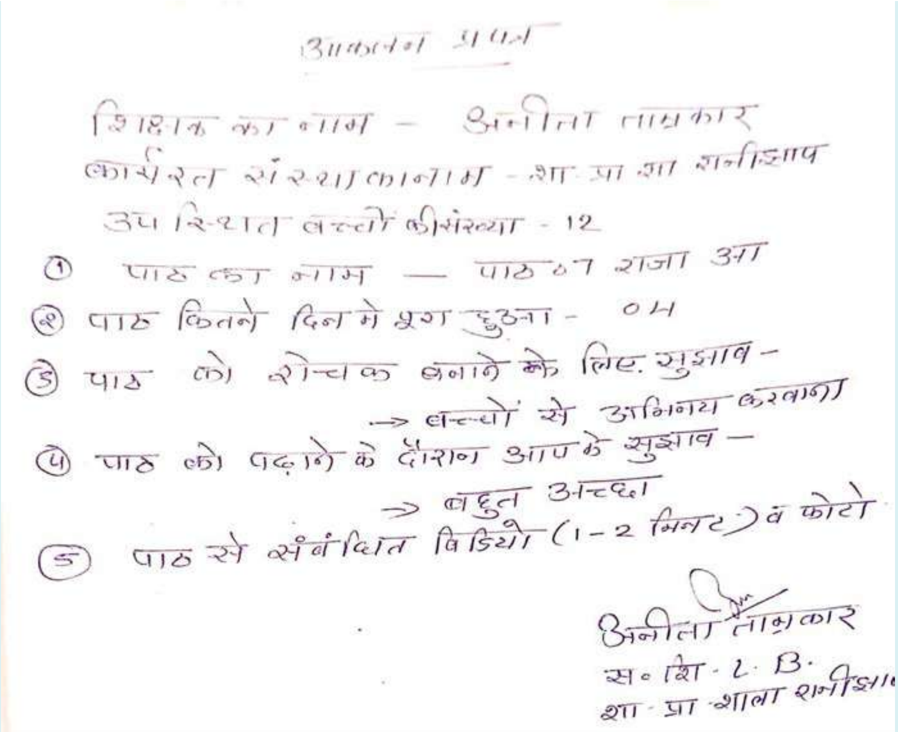

आकलन प्रपत्र

शिक्षक का नाम – अनिता ताम्रकार

कार्यरत संस्था का नाम - शा. प्रा. शा. रानीझाप

उपस्थित बच्चों की संख्या - 12

① पाठ का नाम — पाठ 07 राजा आ

② पाठ कितने दिन में पूरा हुआ - 05

③ पाठ को रोचक बनाने के लिए सुझाव -

→ बच्चों से अभिनय करवाना

④ पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके सुझाव -

→ बहुत अच्छा

⑤ पाठ से संबंधित विडियो (1-2 मिनट) व फोटो

अनीता ताम्रकार

स. शि. L. B.

शा. प्रा. शाला रानीझाप

# पाठ – 8

# इमली और ईख

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH103, LH104, LH107, LH110, LH111 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| | प्रथम दिवस | |
| 1. चित्र पर चर्चा | • चित्र पर चर्चा करने से बच्चे पाठ के बारे में अनुमान लगा पाएँगे।<br>• मौखिक अभिव्यक्ति कर पाएँगे। | **शिक्षक बच्चों से कविता में दिए गए चित्रों एवं उनके पूर्व ज्ञान पर चर्चा करें -**<br>• इस चित्र में तुमको क्या–क्या दिखाई दे रहा है ?<br>• लड़की क्या कर रही है ?<br>• तुमको कौन–कौन से फल पसंद हैं?<br>• कुछ खट्टी चीजों के नाम बताओ ?<br>• बकरी क्या-क्या खाती है ? |
| 2. कविता को हाव-भाव के साथ सुनाना | • कविता को सस्वर सुना पाएँगे। | • बच्चे कविता का भरपूर आनंद ले सके इसलिए बच्चों को लय एवं अभिनय के साथ कविता सुनाएँ। शिक्षक कविता को दो-तीन बार सुनाएँ। बच्चों को समूह में, जोड़ो में कविता सुनाने के अवसर प्रदान करे ताकि बच्चों को कविता याद हो जाएँ और वे स्वतंत्र रूप से कविता गा सके। |
| | द्वितीय दिवस<br>( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद ) | |
| 3. कविता पर बातचीत | • कविता पर बातचीत करने से शिक्षक पाठ का अर्थ समझ पाएँगे एवं नए शब्दों से परिचित होंगे। | बच्चों से कविता की विषयवस्तु पर बातचीत करें, जिससे बच्चे कविता पर समझ बना सके।<br>• क्या आपने कभी इमली खाई है ?<br>• इमली का स्वाद कैसा होता है?<br>• ईख को तुम्हारी भाषा में क्या कहते हैं ?<br>• ईख का स्वाद कैसा होता है?<br>• बकरी कहाँ - कहाँ चरती है?<br>• बकरी वन (जंगल) में चरने क्यों गई होगी? |
| 4. ध्वनि जागरूकता | • कविता में आए मुख्य शब्दों की छोटी इकाई को समझ पाएँगे। | • शिक्षक कविता में आए शब्दों की ध्वनि की छोटी इकाइयों (वर्णों और अक्षरों) को पहचानने के लिए ध्वनि जागरूकता के खेल कराएँ –<br>शब्द स्तर पर – इमली, ईख, बकरी<br>उदा. इमली – इ-1 चुटकी, म-1 चुटकी, ली-1 चुटकी - कुल तीन चुटकियाँ<br>• समान तुक वाले शब्द बताएं –<br>1. वन, धन, मन, ........, ........, ........<br>2. काम, दाम, नाम, ......, ......., ........ |

## तृतीय दिवस
## ( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )

**5. शब्द पहचान**

- पाठ में आए शब्दों को पढ़ पाएँगे |

**चित्र के आधार पर शब्द को पढ़े –**

शिक्षक श्यामपट पर चित्र बनाकर या कार्ड की मदद से बच्चों से नाम पूछे एवं सही-जोड़ी मिलान करवाये।

| | |
|---|---|
| | जहाज |
| | सेब |
| | सरौता |
| | लड़की |
| | कमल |
| | अनार |

- **छूटे हुए वर्णों को लिखो -**

पाठ्यपुस्तक में दिए गए गतिविधि को कराएँ)

(1) .........रती (2) ह.......

(3) ....ट्टी (4) ब........री

- **ग्रीड में दिए गए वर्णों को पढ़कर शब्द बताओ व लिखो –**

| | | | |
|---|---|---|---|
| गा | ना | नी | र |
| पी | ला | मा | ली |
| आ | ती | स | जा |
| बा | की | ई | सी |

| | | |
|---|---|---|
| 6 लोगोग्राफिक पठन | • प्रारंभिक पठन के रूप में कविता को अनुमान से पढ़ पाएँगे। | • शिक्षक कविता को ब्लैकबोर्ड या ड्राइंग शीट पर लिखकर आदर्श पठन, साझा पठन, मार्गदर्शनयुक्त पठन और स्वतंत्र पठन कराएँ।<br>• ड्राइंग शीट में कविता को लिखकर प्रत्येक लाइन की एक-एक पट्टी काट कर बच्चों के समूह को दें और कहें कि पट्टी में लिखी हुई लाईन को बोर्ड पर लिखी गई कविता में ढूंढकर मिलान करें। |
| **चतुर्थ दिवस**<br>**( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| 7 सोचो और बताओ | • बच्चे ईमली व ईख में अंतर कर पाएँगे। | • तुमको ईमली व ईख में सबसे ज्यादा क्या पसंद है और क्यों? |
| 8 रचनात्मकता | • बच्चे कागज की नाव बनाना सीखेंगे।<br>• कागज से अलग-अलग प्रकार के ऑरोगेमी या खिलौने बनाना सिखेंगे। | • कागज की नाव/टोपी या अन्य खिलौने बनवायें। |
| **पंचम दिवस** | | |

**आकलन**

1. इमली का स्वाद कैसा होता है ?

2. किस शब्द में 'त' की आवाज है।

कमल, इमली, तरबूज

3. तुम्हें कौन-कौन सी खट्टी चीजें पसंद है ?

4. शब्द बनाकर लिखो और पढ़ो –

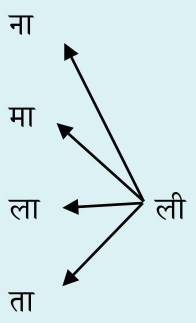


.........................
.........................
.........................
.........................

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

## शिक्षक का अनुभव

(श्रीमती विनीता गुप्ता, शा.प्रा.शाला बगदेही नवापारा)

गतिविधि क्रमांक 2 कविता को हाव-भाव के साथ सुनाना -

गतिविधि क्रमांक 3 कविता पर बातचीत

गतिविधि क्रमांक 4 - ध्वनि जागरूकता

गतिविधि क्रमांक 6 - लोगोग्राफिक पठन

गतिविधि क्रमांक 6 - लोगोग्राफिक पठन

गतिविधि क्रमांक 6 - लोगोग्राफिक पठन

# पाठ 9

# तितली

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH105, LH107, LH110, LH111, LH113 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| **प्रथम दिवस** | | |
| **1. चित्र पर चर्चा** | 3. बच्चे अपने पूर्व ज्ञान को जोड़ते हुए अपने अनुभवों को साझा कर पाएँगे। | **शिक्षक बच्चों को पाठ में दिए गए चित्र को देखने के लिए कहें और चर्चा करें –**<br>• चित्र में तुम्हें क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?<br>• चित्र में तितलियाँ क्या कर रही हैं ?<br>• तितली कौन-कौन से रंगों की होती है ?<br>• तुमने तितली कहाँ-कहाँ देखी है ?<br>• तुम्हें तितलियाँ अच्छी क्यों लगती हैं ? |
| **2. कविता को हाव-भाव से सुनाना** | • कविता सुनकर बच्चे आनंदित होगें। | • बच्चे कविता का भरपूर आनंद ले सकें इसलिए बच्चों को लय एवं अभिनय के साथ कविता सुनाएँ। शिक्षक कविता को दो-तीन बार सुनाएँ। बच्चों को समूह में, जोड़ो में कविता सुनाने के अवसर प्रदान करें ताकि बच्चों को कविता याद हो जाएँ और वे स्वतंत्र रूप के कविता गा सकें | |
| **द्वितीय दिवस**<br>**( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| **3. कविता पर बातचीत** | • कविता पर बातचीत करने से पाठ की समझ विकसित होगी। | शिक्षक कविता सुनाने के बाद जब बच्चों को कविता अच्छे से याद हो जाए तो कविता से संबंधित प्रश्न पूछें -<br>• तितली कैसी होती है ?<br>• तितली फूलों पर बैठकर क्या करती है ?<br>• तितलियाँ सबके मन को क्यों भाती हैं ? |
| **4. मात्रा की पहचान** | • 'ि (इ) ' ी (ई) की मात्रा वाले शब्दों को पढ़ पाएँगे। | • शब्द के अंतिम वर्ण पर 'ी (ई) की मात्रा लगाकर सही शब्द बनाकर पढ़ो व लिखो-<br>• तितल ........ माल ........<br>• छतर ........ डाल ........<br>• टोकर ........ आर ........<br>• आदम ........ बरसात ........<br>• बदल ........ मछल ........ |

| | | |
|---|---|---|
| **5. ध्वनि जागरूकता** | • समान ध्वनि से शुरू होने वाले शब्दों को बता पाएँगे।<br>• बच्चों के शब्द भंडार में वृद्धि होगी। | • शिक्षक बच्चों से 'त' वर्ण से शुरू होने वाले शब्द पूछे। बच्चे द्वारा बताए गए शब्द को शिक्षक ब्लैकबोर्ड पर लिखे और बच्चों से पढ़ाएँ -<br>जैसे – तराजू, तलवार, ...., ..... |
| **तृतीय दिवस<br>( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| **6. सोचो और बताओ** | • संवेदनशीलता का विकास करना। | • कुछ बच्चे तितलियों को पकड़ते हैं और उन्हें डिब्बे में बंद कर रखते हैं, क्या हमें ऐसा करना चाहिए ? |
| **7. रचनात्मकता** | 4. बच्चों में रचनात्मकता और सौंदर्य बोध का विकास होगा। | • तितली व फूल का चित्र बनाकर नाम लिखो ? |
| **चतुर्थ दिवस** | | |

**आकलन**

- **तितली से जुड़ी अन्य कविता अथवा कहानी सुनाओ।**
- **दिए गए वर्णों पर मात्रा ा , ि और ी की मात्रा लगाकर पढ़ो और लिखो -**

| वर्ण | ा आ की मात्रा | ि इ की मात्रा | ी ई की मात्रा |
|---|---|---|---|
| ग | गा | गि | गी |
| म | | | |
| न | | | |
| र | | | |
| प | | | |
| व | | | |
| ब | | | |
| त | | | |

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

## शिक्षक का अनुभव –

### गतिविधि क्रमांक 2 कविता को हाव-भाव से सुनाना

### गतिविधि क्रमांक 4 मात्रा की पहचान

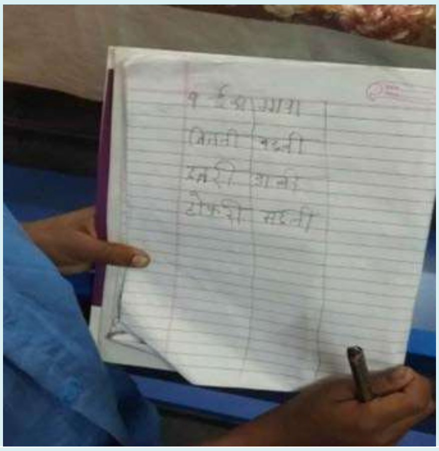

### गतिविधि क्रमांक 2 कविता को हाव-भाव से सुनाना

### गतिविधि क्रमांक 5 ध्वनि जागरूकता

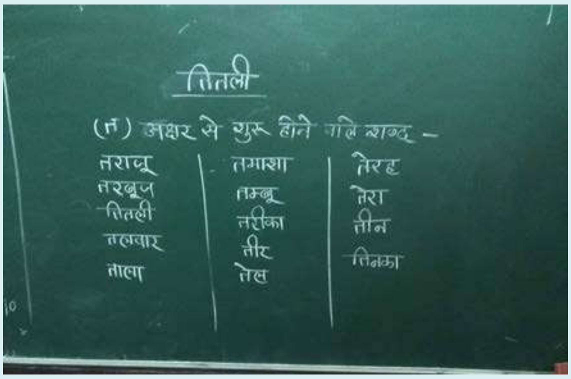


### गतिविधि क्रमांक 5 ध्वनि जागरूकता

### आकलन

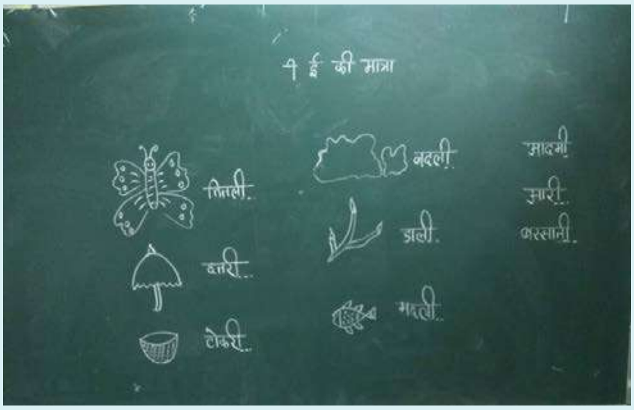

# पाठ 10

# उल्लू आया

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH103, LH104, LH106, LH107, LH110, LH111, LH113, LH114 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| **प्रथम दिवस** | | |
| 1. चित्र पर बातचीत | • चित्र पर चर्चा करने से पाठ के बारे में अनुमान लगा पाएँगे।<br>• बच्चे अपने पूर्व अनुभव को जोड़ते हुए मौखिक अभिव्यक्ति कर पाएँगे। | **शिक्षक पाठ में दिए गए उल्लू, चरखा, खरगोश, दवात आदि चित्रों पर बच्चों से उनके अनुमान के आधार पर बातचीत करें।**<br>• चित्र में तुम्हें क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?<br>• दवात के पास क्या रखा है ?<br>• दवात में क्या भरा होगा ?<br>• लड़का क्या सोच रहा होगा ? |
| 2. कविता को हाव-भाव के साथ सुनाना | • कविता को सस्वर सुना पाएँगे। | • बच्चे कविता का भरपूर आनंद ले सकें इसलिए बच्चों को लय एवं अभिनय के साथ कविता सुनाएँ। शिक्षक कविता को दो-तीन बार सुनाएँ। बच्चों को समूह में, जोड़ो में कविता सुनाने के अवसर प्रदान करें ताकि बच्चों को कविता याद हो जाएँ और वे स्वतंत्र रूप के कविता गा सकें। |
| **द्वितीय दिवस**<br>**( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| 3. कविता पर बातचीत | • कविता पर बातचीत करने से पाठ का अर्थ समझ पाएँगे एवं नए शब्दों से परिचित होंगे। | • चरखे से क्या करते हैं ?<br>• उल्लू हमें कब दिखाई देता है ?<br>• खरगोश क्या खाता है ?<br>• किसान क्या लेकर आया ?<br>• कूं – कूं की आवाज कौन कर रहा था ? |
| 4. पाठ में आए शब्दों को पढ़ो व लिखो | • पाठ में आए शब्दों को पढ़ **व लिख** पाएँगे। | • कविता में आए प्रमुख शब्दों जैसे ऊन, चरखा, खरगोश, दवात, किसान, हल आदि शब्दों की पर्चियाँ बनाकर बच्चों को एक-एक पर्ची उठाने कहे और पर्ची में दिए गए शब्द को पढ़कर बोर्ड में लिखने कहें। |
| **तृतीय दिवस**<br>**( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| 5. वर्णों को पढ़ो और लिखो | • उ, ऊ, द, ह, ख, च वर्ण की पहचान कर पाएँगे।<br>• वर्णों को जोड़कर पढ़ व लिख पाएँगे। | • **वर्णों को जोड़ो और पढ़ो –**<br>1. 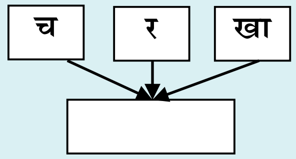 |

<table>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>
2.
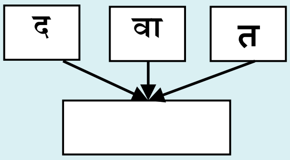

<br>
3.
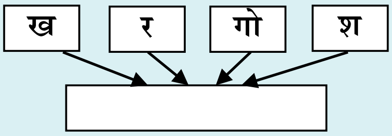

<br>
4.
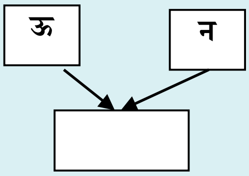

<br>
<ul><li>निम्नलिखित शब्दों में अक्षरों को पहचान कर गोला लगाओ –</li></ul>
उदा. उ - उल्लू, उसके, हल, उमेश, चरखा।<br>
ऊ - खरगोश, ऊपर, दवात, ऊन, ऊंचाई।<br>
ख - चरखा, किसान, खरगोश, चख।<br>
द - रंग, हल, दवात, उल्लू, खरगोश।<br>
च - ऊन, चल, चरखा, चम्मच खरगोश।<br>
ह - दवात, वह, हल, नहर, शहर।
<ul><li>रेखा खींचकर वर्णों को शब्दों के साथ मिलाओ –</li></ul>
<table>
<tr><th>वर्ण</th><th>शब्द</th></tr>
<tr><td>उल्लू</td><td>ख</td></tr>
<tr><td>ऊन</td><td>ऊ</td></tr>
<tr><td>चरखा</td><td>द</td></tr>
<tr><td>खरगोश</td><td>ह</td></tr>
<tr><td>दवात</td><td>च</td></tr>
<tr><td>हल</td><td>उ</td></tr>
</table>
</td>
</tr>
<tr>
<td>6. सोचो और बताओ</td>
<td><ul><li>कल्पना करने के कौशल का विकास होगा।</li></ul></td>
<td><ul><li>उल्लू को उन का गोला कहाँ से मिला होगा ?</li></ul></td>
</tr>
<tr>
<td>7. सृजनात्मक कार्य</td>
<td><ul><li>बच्चों में लेखन कौशल का विकास होगा।</li><li>बच्चे चित्र बनाकर आनंदित होंगे।</li><li>बच्चे की कल्पनाशीलता का विकास होगा।</li></ul></td>
<td><ul><li>अपनी मनपसंद चित्र बनाकर रंग भरो।</li></ul></td>
</tr>
</table>

## चतुर्थ दिवस

( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )

**आकलन**

- पढ़ो –

    गुल्लू देख रहा था उल्लू,
    मुन्नू दिखा रहा था उल्लू।
    आ आ गुल्लू, देख देख उल्लू,
    गुल्लू, मुन्नू, मुन्नू, उल्लू,
    उल्लू, उल्लू, मुन्नू, गुल्लू।

- दिए गए शब्दों को पढ़ो व दो-दो बार लिखो –

| क्र. | शब्द | 1 बार | 2 बार |
|---|---|---|---|
| 1 | उनका | | |
| 2 | उगाना | | |
| 3 | उदास | | |
| 4 | उसका | | |
| 5 | उतरना | | |

- 'उ' वर्ण को 'उ' वर्ण से बने शब्दों से मिलान करें –

| | | |
|---|---|---|
| मटका | | उतना |
| उनको | उ | उसके |
| दीवार | | ईलाज |
| उल्लू | | वजन |

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

### शिक्षक का अनुभव –

(श्रीमती अंजनी मंडावी, शा.प्रा.शाला पोरोकमेली)

**गतिविधि क्र. 2 - कविता को हाव-भाव के साथ सुनाना**

**गतिविधि क्रमांक 5 वर्णों को पढ़ो और लिखो**

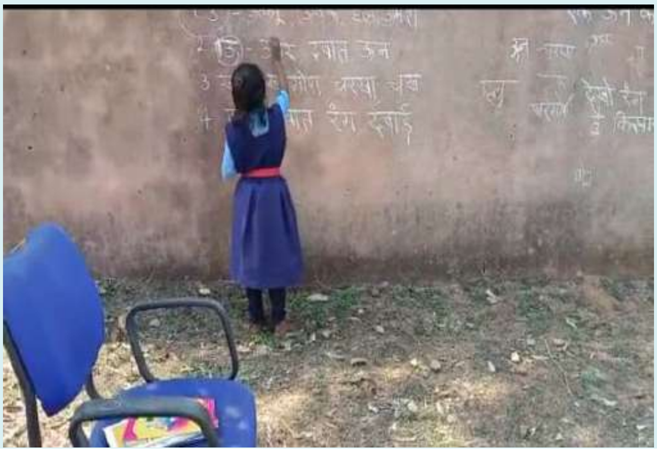

| गतिविधि क्रमांक 5 वर्णों को पढ़ो और लिखो - | गतिविधि क्रमांक 7 सृजनात्मक कार्य |
| --- | --- |
| | |
| **आकलन – पढ़ो** | **आकलन - दिए गए शब्दों को पढ़ो व दो-दो बार लिखो** |
| | |

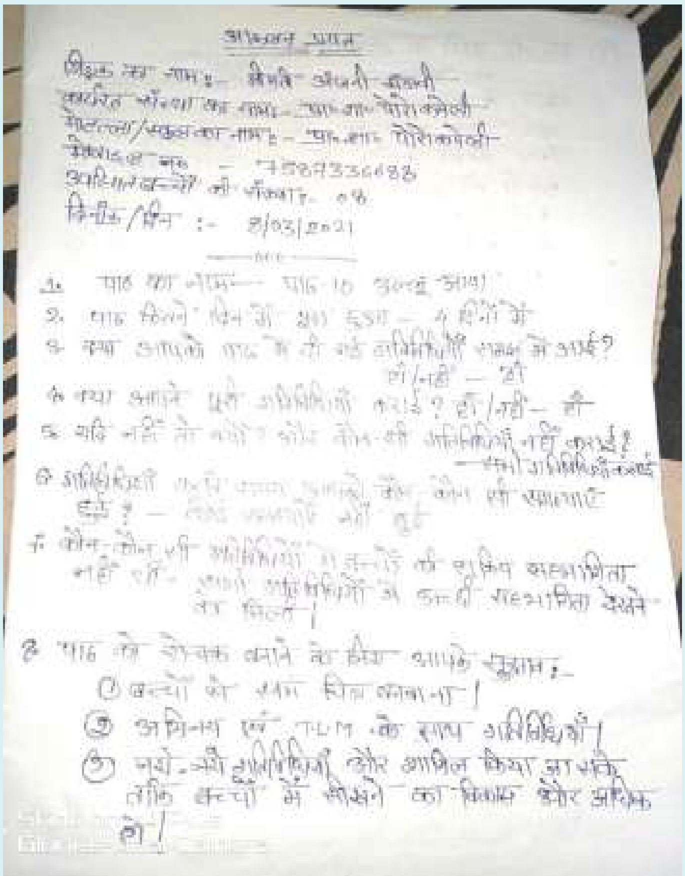

आकलन प्रपत्र

शिक्षक का नाम :- श्रीमति अंजनी कुमारी
कार्यरत संस्था का नाम :- प्रा.शा. गोरोकोसेली
मोहल्ला/स्कूल का नाम :- प्रा.शा. गोरोकोसेली
मोबाइल नं. - 7587336683
उपस्थित बच्चों की संख्या :- 08
दिनांक/दिन :- 8/03/2021

1. पाठ का नाम - पाठ-10 उल्लू आया
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ - 4 दिनों में
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आईं? हाँ/नहीं - हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई? हाँ/नहीं - हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों? कौन कौन-सी गतिविधियाँ नहीं कराई? - सभी गतिविधियाँ कराई
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन-कौन सी समस्याएँ हुईं? - कोई समस्या नहीं हुई
7. कौन-कौन सी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं रही - सभी गतिविधियों में अच्छी सहभागिता देखने को मिली।
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव :-
   ① बच्चों के स्वयं चित्र बनवाना।
   ② अभिनय एवं TLM के साथ गतिविधियाँ।
   ③ नयी-नयी गतिविधियाँ और शामिल किया जा सके ताकि बच्चों में सीखने का विकास और अधिक हो।

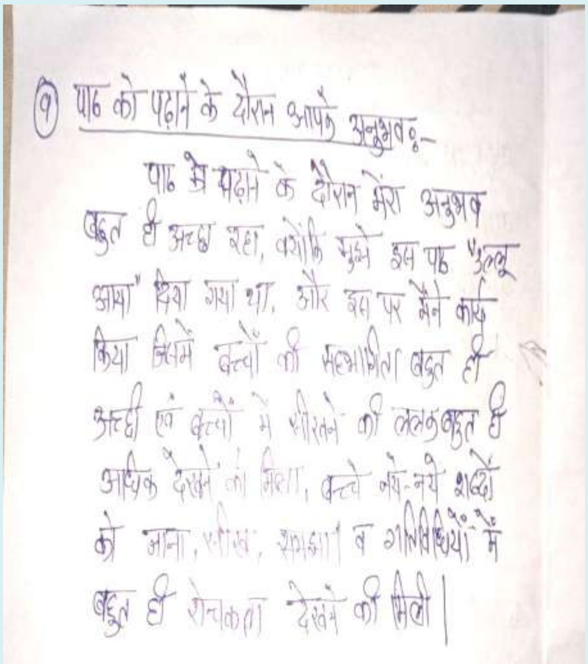

⑨ पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव :-

पाठ को पढ़ाने के दौरान मेरा अनुभव बहुत ही अच्छा रहा, क्योंकि मुझे इस पाठ "उल्लू आया" दिया गया था, और इस पर मैंने कार्य किया जिसमें बच्चों की सहभागिता बहुत ही अच्छी एवं बच्चों में सीखने की ललक बहुत ही अधिक देखने को मिला, बच्चे नये-नये शब्दों को जाना, सीखा, समझा। व गतिविधियों में बहुत ही रोचकता देखने को मिली।

# पाठ – 11

# लालू और पीलू

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH106, LH107, LH110, LH111, LH112 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| प्रथम दिवस | | |
| 1. पाठ के शीर्षक व चित्रों पर बातचीत | • शीर्षक पर चर्चा करने से बच्चों में जिज्ञासा उत्पन्न होगी। | **शिक्षक कहानी के शीर्षक व चित्रों पर बच्चों से चर्चा करें -**<br>• पाठ में आये चित्र दिखाकर प्रश्न पूछें ये किसके चित्र हैं ?<br>• कहानी के शीर्षक को पढ़कर बच्चों से पूछें कि बताओ लालू पीलू किसके नाम हो सकते है ?<br>• मुर्गी के बच्चे को क्या कहते है ?<br>• मुर्गी क्या-क्या खाती है ?<br>• क्या तुमने मुर्गी देखी है ? वह कैसी होती है ? |
| 2. कहानी को हाव-भाव से सुनाना | • बच्चों में तर्क करने, कल्पना करने, निष्कर्ष निकालने आदि की क्षमता का विकास होगा। | **कहानी को अभिनय के साथ सुनाएँ तथा बीच- बीच में अनुमान लगाने के मौकें भी दें, जैसे -**<br>• पौधे पर लाल-लाल क्या रहा होगा ?<br>• लाल मिर्च खाने से क्या हुआ होगा?<br>• उसके मुँह की जलन कैसे ठीक हो गई होगी? |
| द्वितीय दिवस<br>( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद ) | | |
| 3. कहानी पर बातचीत | • कहानी पर बातचीत करने से पाठ की समझ विकसित होगी। | **क्या होता यदि** लालू को हरी और पीलू को सफ़ेद चीजें पसंद होती, तो उनके नाम क्या होते ?<br>• फिर वे क्या-क्या खाते ?<br>• लाल मिर्च खाते ही लालू की जीभ जल गयी ? तुम्हारी जीभ क्या-क्या खाने से जलती है ?<br>• जीभ जलने पर तुम क्या करते हो ?<br>• इस कहानी में तुमको कौन सबसे अच्छा लगा और क्यों ?<br>• पीलू को यदि गुड़ नहीं मिलता तो वह और कौन सी चीज लालू को खिला सकता था ?<br>• गुड़ का स्वाद कैसा होता है ? गुड़ का उपयोग और कहाँ-कहाँ होता है? |
| 4. कहानी की घटना को क्रमवार बताओ | • बच्चे कहानी में घटित घटना को क्रमवार बता पाएँगे। | शिक्षक कहानी सुनाने के बाद दिए गए वाक्यों को बार्ड पर लिखे और बच्चों से पूछें कहानी में पहले क्या हुआ, फिर क्या हुआ होगा। इस तरह वाक्यों को पढ़कर बच्चों से क्रम जमाएँ।<br>• पीलू गुड़ का टुकड़ा लाया ।<br>• एक का नाम लालू और दूसरे का नाम पीलू था । |

| | | |
|---|---|---|
| | | • लालू लाल चीजें खाता था।<br>• एक मुर्गी के दो चूजे थे।<br>• एक दिन लालू की जीभ मिर्च खाने से जल गई। |

**तृतीय दिवस**

**( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )**

| | | |
|---|---|---|
| 5. कहानी का अभिनय | • लालू पीलू के बारे में बता पाएँगे।<br>• दी गई कहानी के घटनाक्रम को क्रमबद्ध रूप से समझ पाएँगे।<br>• कहानी को संवाद में बदल सकेगें।<br>• पाठ में ‘ ◌ु ’ (उ) की मात्रा वाली शब्दों की पहचान कर गोला लगाओ। | • कहानी में दिए गए पात्र के अनुसार बच्चों को लालू व पीलू का अभिनय करवाएँ। |
| 6. समान ध्वनि वाले शब्दों का उच्चारण | • शब्द को पहचान पाएँगे।<br>• शब्द ज्ञान में वृद्धि होगी। | • तुक मिलाओं -<br>लालू, पीलू, ......, ......, ........<br>• दिए गए ग्रिड से ‘ ◌ू ’(ऊ) की मात्रा वाले शब्द ढूंढ़कर लिखो -<br>(ग्रिड नीचे)<br>• पाठ में ‘ ◌ु ’ (उ) की मात्रा वाली शब्दों की पहचान कर गोला लगाओ। |

| | | | |
|---|---|---|---|
| धू | ल | क | खू |
| प | भू | मि | न |
| झू | ला | ल | का |
| म | ज | आ | लू |

**चतुर्थ दिवस**

**आकलन**

- मात्रा लगाओ, शब्द बनाओ -
- शब्दों के पहले अक्षर पर ‘ ◌ु(उ)’ या ‘ ◌ू (ऊ)’ की मात्रा लगाकर सही शब्द बनाओ।

दर = ....................................

पजा = ....................................

कछ = ....................................

सन = ....................................

बढ़ा = ....................................

धप = ....................................

सनना = ....................................

दरी = ....................................

खश = ....................................

जता = ....................................

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 49 में दी गई कविता ‘झूला’ को लय एवं अभिनय के साथ गाओ।

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

**शिक्षक का अनुभव –**

**( श्री रूद्र नारायण बघेल, शा. प्राथ. शाला कुरूलूगुड़ा बड़ेचकवा )**

**गतिविधि क्रमांक**

**गतिविधि क्रमांक**

**गतिविधि क्रमांक**

**आकलन**

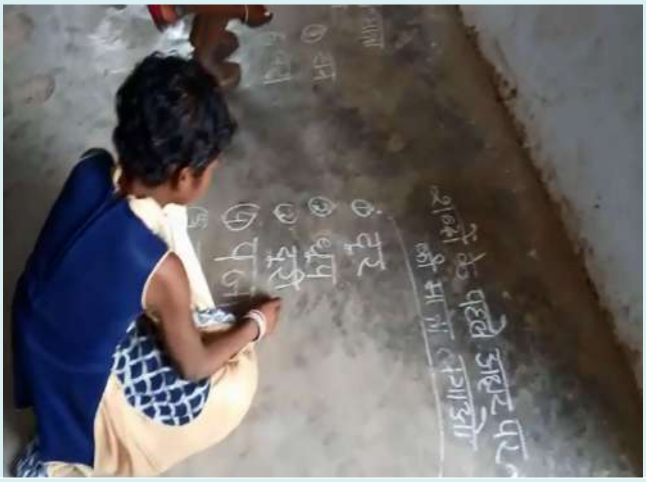

**गतिविधि क्रमांक**

**गतिविधि क्रमांक**

//आंकलन प्रपत्र//

शिक्षक का नाम :- रुद्र नारायण बघेल
कार्यरत संस्था का नाम :- प्रा.शा. कुरलुगुड़ा (बड़ेचकवा)
मोहल्ला/स्कूल का नाम :- कुरलुगुड़ा
मोबाइल नंबर :- मो.न. 9406472439 व्हाट्सएप न. 9406472439
उपस्थित बच्चों की संख्या :- 10
दिनांक/दिन :- 19-11-020, 21-11-020, 23/11/020

1. पाठ का नाम :- लालू और पीलू पाठ-11
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ :- तीन दिन
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आई ? हाँ/नहीं :- हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई ? हाँ/नहीं :- हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों ? और कौन–सी गतिविधि नहीं कराई ? :- -
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन–कौन सी समस्याएँ हुई ? :- कुछ बच्चों को कहानी का अभिनय करने में और अपने परिवेश की कहानी सुनाने में समस्याएं हुई।
7. कौन–कौन सी गतिविधियों में बच्चो की सक्रिय सहभागिता नहीं थी ?:- कहानी का अभिनय करने एवं अपने परिवेश की कहानी सुनाने में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी।
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव :- पाठ में चित्रों की संख्या बढ़ाकर पाठ के शीर्षक पर आपस में चर्चा कहानी के पात्रों का अभिनय करवाकर एवं गतिविधि के माध्यम से पाठ को रोचक बनाया जा सकता है।
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव :- पाठ को पढ़ाने के दौरान मेरा व्यक्तिगत यह रहा कि निम्न गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाने...
10. पाठ से संबंधित वीडियों (2–3 मिनट) व फोटो ।

Baghel
नाम व हस्ताक्षर
रुद्र नारायण बघेल

A_Ofcice_Letter_Aic_2020_21

# पाठ – 12

# बंदर आया

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH103, LH104, LH105, LH106, LH107, LH109, LH110, LH112 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| | **प्रथम दिवस** | |
| 1. कविता पर बातचीत | • चित्र पर चर्चा करने से बच्चे परिवेश में पाए जाने वाले जानवरों के बारे में अपने अनुभव, अपनी मातृभाषा में बता पाएँगे। | **शिक्षक पाठ में दिए गए चित्र को दिखाकर पूछें -**<br>• तुम्हें इस चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?<br>• इस कविता में किसके बारे में बताया गया होगा ?<br>• बंदर क्या खा रहा है ?<br>• बंदर की थाली में क्या-क्या रखा है ?<br>• घेरे के बाहर का बंदर क्या कर रहा है?<br>• ऐनक कौन से बंदर ने लगाया है ? |
| 2. कविता को हाव-भाव के साथ सुनाना | • बच्चे कविता को याद कर पाएँगे।<br>• कविता में आए नवीन शब्दों से परिचित होगे। | बच्चे कविता का भरपूर आनंद ले सके इसलिए बच्चों को लय एवं अभिनय के साथ कविता सुनाएँ। शिक्षक कविता को दो-तीन बार सुनाएँ। बच्चों को समूह में, जोड़ों में कविता सुनाने के अवसर प्रदान करे ताकि बच्चों को कविता याद हो जाएं और वे स्वतंत्र रूप के कविता गा सकें। |
| | **द्वितीय दिवस**<br>**( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | |
| 3. कविता पर बातचीत | • कविता पर बातचीत करने से पाठ की समझ विकसित होगी। | • तुमने बंदर देखा है ?<br>• बंदर क्या-क्या खाता है ?<br>• तुम्हें कौन-सा फल खाना अच्छा लगता है?<br>• तुम्हारे घर में ऐनक कौन लगाता है ? |
| 4. अभिनय करना | • अभिनय करने पर बच्चों को बहुत मजा आएगा। अभिनय कौशल का विकास होगा।<br>• बच्चे अपने आसपास के जानवरों की आवाजों से परिचित हो पाएँगे। | अभिनय करना - सहायक सामग्री - जानवरों के चित्र कार्ड<br>शिक्षक बच्चों को जानवरों के मुखौटे देकर अलग-अलग जानवरों का अभिनय कराएँ। यह अभिनय उनकी आवाज या उनके हाव-भाव के आधार पर हो सकती है। जैसे - बिल्ली की आवाज, कुत्ते की आवाज, बंदर की तरह उछल कूद, बकरी की आवाज आदि। अन्य बच्चे उन्हें पहचान कर नाम बताएँ और शब्द कार्ड से उस जानवर के नाम वाले कार्ड को निकालेंगे। |

<table>
<tr><th colspan="3">तृतीय दिवस<br>( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )</th></tr>
<tr><td>5. शब्दों का उच्चारण</td><td>5. बच्चे विभिन्न वर्णों को जोड़कर व तोड़कर शब्दों का उच्चारण कर पाएँगे।</td><td>● पाठ में दिए गए मुख्य शब्द - ऐनक, एक, ठठेरा, फल, भटा, टमाटर में प्रत्येक शब्द में प्रत्येक अक्षर के लिए ताली बाजाकर उच्चारण करवाएँ।<br>● पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 57 की गतिविधि 2 - 'खोजो और गोल घेरा लगाओ' की गतिविधि कराएँ।</td></tr>
<tr><td>6. वर्ण पहचान कर पढ़ो व लिखो</td><td>6. बच्चे ठ, र, ए, ब, द वर्णों को पहचान पाएँगे।<br>7. वर्ण पहचान कर पढ़ो व लिखो।</td><td>8. वर्णों को जोड़ो और पढ़ो -<br>1. ठ ठे रा → ____<br>2. ऐ न क → ____<br>3. बं द र → ____</td></tr>
<tr><td>7. सब्जियों की पहचान</td><td>9. बच्चे अपने परिवेश में पाए जाने वाले सब्जियों के बारे में जान पाएँगे।</td><td>10. सब्जियों के नाम बताओ।<br>दिए गए सब्जियों के रंग पहचान कर उनके सामने राइट ✓<br><table><tr><th>सब्जी</th><th>हरा</th><th>लाल</th></tr><tr><td>भटा</td><td></td><td></td></tr><tr><td>टमाटर</td><td></td><td></td></tr><tr><td>धनिया</td><td></td><td></td></tr><tr><td>मिर्ची</td><td></td><td></td></tr><tr><td>ककड़ी</td><td></td><td></td></tr><tr><td>पालक</td><td></td><td></td></tr><tr><td>भिंडी</td><td></td><td></td></tr></table></td></tr>
<tr><td>8. अन्य कविता का वाचन</td><td>11. बच्चे शब्दों को समझ पाएंगे और उनके शब्द विकास में वृद्धि होगी।</td><td>12. दी हुई कविता को पढ़ो -<br>एक ऐनक मैंने पाई, जिसे पहन मैं खूब इतराई।<br>ऐनक देखो गोल गोल, लगती है बड़ी अनमोल ।।</td></tr>
</table>

## चतुर्थ दिवस

( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )

| | | |
|---|---|---|
| **9. सृजनात्मक कार्य** | **13.** बच्चों में सृजनात्मकता का विकास होगा। | • अपने उंगलियों की छाप से नए-नए चित्र बनाना। <br> • आओ चित्र बनाए - <br> **शिक्षक क्रमानुसार ब्लैकबोर्ड पर चित्र बनाकर बच्चों को भी वैसे ही बनाने के निर्देश दें।** |

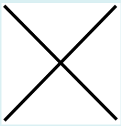
(1)

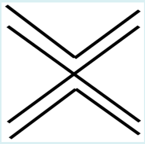
(2)

(3)

(4)

(5)

## पंचम दिवस

**आकलन**

- दी गई कहानी को पढ़ो एवं खाली स्थान भरो -

मिरची की शादी भटा के साथ तय हो गई। मिरची को लाल भाजी ने खूब सजाया। बरात में आलू, टमाटर, मुनगा, करेला नाचते गाते आए। कटहल ढोल बजाते-बजाते आलू पर गिर गया। आलू बोला उई --ई ई। मिरची ने भटे के गले में माला डाली। सब ने मिरची और भटे को बधाई दी तथा मिठाई खाई।

खाली स्थान में भरो –

लाल भाजी, भटा, आलू

14. मिरची की शादी ---- से हुई।
15. कटहल ---- पर गिर गया।
16. मिरची को ---- ने सजाया।

- टमाटर का चित्र बनाकर रंग भरो।

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

## शिक्षक का अनुभव –

( श्रीमती ममता सिन्हा, शा.प्रा. शाला डी.एन.के. 2 बचेली )

**गतिविधि क्रमांक 2** कविता को हाव-भाव के साथ सुनाना

**गतिविधि क्रमांक 4** अभिनय करना

**गतिविधि क्रमांक 6 वर्ण पहचान कर पढ़ो व लिखो**

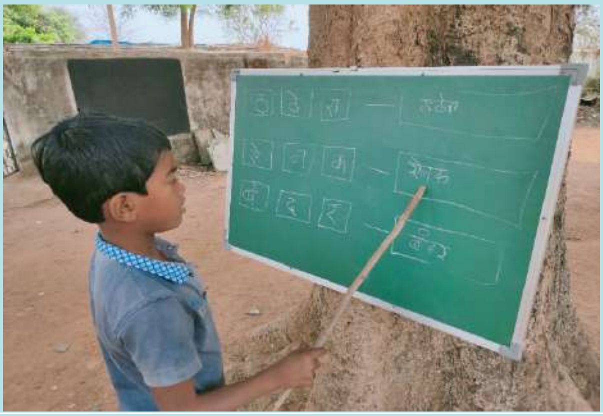

गतिविधि 7 - सब्जियों की पहचान

गतिविधि 9 सृजनात्मक कार्य - आओ चित्र बनाए

आकलन - टमाटर का चित्र बनाकर रंग भरो

गतिविधि 7 - सब्जियों की पहचान

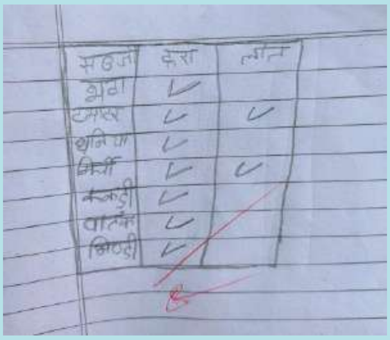

गतिविधि 9 - सृजनात्मक कार्य

## आकलन प्रपत्र

शिक्षक का नाम : श्रीमती ममता सिन्हा

कार्यरत संस्था का नाम : शा० प्रा० शाला डी० एन० के० 2 बचेली

मोहल्ला / स्कूल का नाम : शा० प्रा० शाला डी० एन० के० 2 बचेली

मोबाइल नंबर : 7587127620

उपस्थित बच्चों की संख्या : 28

दिनांक / दिन : 20/11/2020

000

1. पाठ का नाम — बंदर आया पाठ 12
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ — दो दिन में
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आई ? हाँ / नहीं — हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई ? हाँ / नहीं — हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों? और कौन–सी गतिविधि नहीं कराई ? ..........
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन–कौन सी समस्याएँ हुई? कोई समस्या नहीं हुई।
7. कौन–कौन सी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी? ..........
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव सहायक सामग्री का उपयोग एवं सुर ताल
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव बच्चे बहुत मजा लेकर पूरी गतिविधियाँ किए एवं सीखे।
10. पाठ से संबंधित वीडियो (2–3 मिनट) व फोटो।

Sinha

नाम व हस्ताक्षर

श्रीमती ममता सिन्हा
शा. प्रा. शाला डी. एन. के
क्र. 2 बचेली
जिला - दन्तेवाड़ा
(छ.ग.)

# पाठ 13

# मेला

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH105, LH106, LH107, LH109, LH110, LH112 |
|---|---|

<table>
<tr><th>गतिविधि</th><th>गतिविधि क्यों करें ?</th><th>गतिविधि कैसे करें ?</th></tr>
<tr><td colspan="3">प्रथम दिवस</td></tr>
<tr><td>1. चित्र एवं पाठ के शीर्षक पर बातचीत</td><td>• चित्रों पर बातचीत करने से बच्चों में कल्पनाशीलता, रचनात्मकता और अनुमान लगाने के कौशलों का विकास होगा।<br>• बच्चे मेला के बारे में अपने अनुभव बता पाएँगे।</td><td>• पाठ में दिए चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?<br>• यह किस जगह का चित्र हो सकता है?<br>• क्या तुम किसी मेले में गए हो ? वहाँ तुमने क्या-क्या देखा ?</td></tr>
<tr><td>2. कविता को हाव-भाव के साथ सुनाना</td><td>• कविता सुनकर बच्चे आनंदित होंगे। बच्चों में सुनने के कौशल का विकास होगा।</td><td>• बच्चे कविता का भरपूर आनंद ले सकें इसलिए बच्चों को लय एवं अभिनय के साथ कविता सुनाएँ। शिक्षक कविता को दो-तीन बार सुनाएँ। बच्चों को समूह में, जोड़ो में कविता सुनाने के अवसर प्रदान करें ताकि बच्चों को कविता याद हो जाएँ और वे स्वतंत्र रूप के कविता गा सकें।</td></tr>
<tr><td colspan="3">द्वितीय दिवस<br>( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )</td></tr>
<tr><td>3. कविता पर बातचीत</td><td>• कविता पर बातचीत करने से पाठ की समझ विकसित होगी।<br>• बच्चे चित्र देखकर, अनुमान लगा कर पढ़ने का प्रयास करेंगे।</td><td>• कविता सुनाने के बाद शिक्षक बच्चों से बातचीत करें कि तुम्हें मेले में क्या-क्या अच्छा लगता है और क्या-क्या नहीं ? बच्चों द्वारा बताए गए उत्तरों को शिक्षक तालिका अनुसार श्यामपट्ट पर लिखें।
<table>
<tr><th>मेले में अच्छा लगता है।</th><th>मेले में अच्छा नहीं लगता है।</th></tr>
<tr><td>जैसे - घूमना अच्छा लगा।</td><td>हल्ला-गुल्ला अच्छा नहीं लगा।</td></tr>
<tr><td></td><td></td></tr>
</table>
• यदि मेले में मिठाई वाला/ खिलौनेवाला /कपड़े वाला/ गुब्बारे वाला/चाय वाला/ बर्तन वाला नहीं होगा तो क्या होगा ?</td></tr>
<tr><td>4. ध्वनि जागरूकता</td><td>• सरल शब्दों के वाक्यों को पढ़कर अर्थ समझ पाएँगे।</td><td>• तुक मिलाओं आगे बढ़ाओ -<br>केला, मेला, ठेला, ......, ......, .......</td></tr>
</table>

<table>
<tr><th colspan="3">तृतीय दिवस<br>( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )</th></tr>
<tr><td>5. ◌े (ए) की मात्रा के अभ्यास के लिए गतिविधियाँ</td><td>• बच्चे ◌े (ए) की मात्रा की पहचान कर पाएँगे।</td><td>• मिलाकर लिखो व पढ़ो<br><br>1 उ से →<br>2 से ब →<br>3 खे त →<br>4 खे ल →<br>5 मे ला →</td></tr>
<tr><td>6. सही शब्द पहचानो</td><td>• ◌ै (ऐ) की मात्रा का ज्ञान होगा।<br>• ए और ऐ की मात्रा में अंतर कर पाएँगे।</td><td>• सही शब्दों पर गोला लगाओ-<br>केला – कैला<br>पैसा – पेसा<br>सब – सेब<br>मेना – मैना<br>नेहा – नैहा</td></tr>
<tr><td>7 पठन कौशल</td><td>• बच्चे चित्र कथा को स्वयं पढ़ पाएँगे।</td><td>• पाठ्य पुस्तक के पेज क्र. 65 में दिए गए चित्र कथा 'मेला' पाठ को जोड़ी बनाकर पढ़ने के लिए कहें।</td></tr>
<tr><th colspan="3">चतुर्थ दिवस</th></tr>
</table>

**आकलन**

- शिक्षक दी हुई कविता को पहले बच्चों को सुनाएं फिर बच्चों को कविता सुनाने कहें।

मेले में ठेला, ठेले में केला।
केला है अकेला, फिर कैसा मेला।।

पैसा है तो कैसा है, राजा जी के जैसा है।

मैला कुरता खैर नहीं है, राजा जी से बैर नहीं है।

- दी हुई कविता/कहानी में से ◌े (ए) और ◌ै (ऐ) की मात्रा वाले शब्द छाँटकर लिखो।

| | ए (◌े) की मात्रा | ऐं (◌ै) की मात्रा |
|---|---|---|
| उदा- | केला | मैला |
| | ................<br>................ | ................<br>................ |

- दी हुई वाक्यों को पढ़ो और अपनी कॉपी में लिखो -

  साकेत और मुकेश ने आटे में पानी और गुड़ मिलाकर मीठे- मीठे गुलगुले बनाएँ। नेहा, शैलजा, रैनी, मुकेश और साकेत ने गुलगुले मजे से खाएँ।

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

## शिक्षक का अनुभव -

(श्री चिगडू राम कश्यप, शा.प्रा.शाला खड़का, मधोता)

- **गतिविधि क्रमांक 5 - मिलाकर लिखो व पढ़ो**

**गतिविधि क्रमांक 6 - सही शब्द पहचानो**

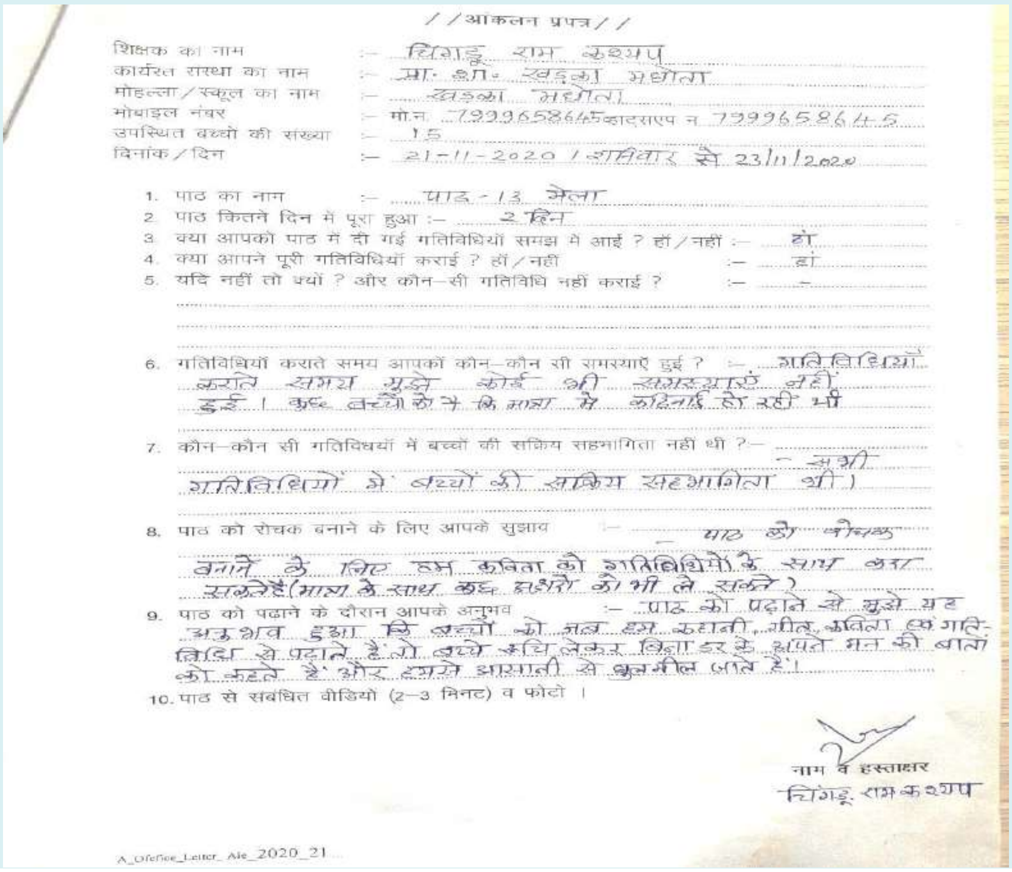

//आकलन प्रपत्र//

शिक्षक का नाम :- चिगडू राम कश्यप
कार्यरत संस्था का नाम :- प्रा. शा. खड़का मधोता
मोहल्ला/स्कूल का नाम :- खड़का मधोता
मोबाइल नंबर :- मो.न. 7999658645 व्हाट्सएप न. 7999658645
उपस्थित बच्चों की संख्या :- 15
दिनांक/दिन :- 21-11-2020 / शनिवार से 23/11/2020

1. पाठ का नाम :- पाठ-13 मेला
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ :- 2 दिन
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आई ? हाँ/नहीं :- हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई ? हाँ/नहीं :- हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों ? और कौन-सी गतिविधि नहीं कराई ? :- -
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन-कौन सी समस्याएँ हुई ? :- गतिविधियाँ कराते समय मुझे कोई भी समस्याएं नहीं हुई। कुछ बच्चों को ने कि मात्रा में कठिनाई हो रही थी
7. कौन-कौन सी गतिविधयाँ में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी ?:- सभी गतिविधियों मे बच्चों की सक्रिय सहभागिता थी।
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव :- पाठ को रोचक बनाने के लिए हम कविता को गतिविधियों के साथ करा सकते है (मात्रा के साथ कुछ इशारे को भी ले सकते)
9. पाठ को पढाने के दौरान आपके अनुभव :- पाठ को पढ़ाने से मुझे यह अनुभव हुआ कि बच्चों को जब हम कहानी, गीत, कविता एवं गतिविधि से पढ़ाते है तो बच्चे रुचि लेकर बिना डर के अपने मन की बातों को कहते है और इससे आसानी से घुलमिल जाते है।
10. पाठ से संबंधित वीडियो (2-3 मिनट) व फोटो।

नाम व हस्ताक्षर
चिगडू राम कश्यप

A_Ofefiee_Letter_Aie_2020_21

# पाठ 14
# ओढ़नी

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH107, LH108, LH110, LH111, LH112, LH113 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| **प्रथम दिवस** | | |
| 1. चित्र पर बातचीत | • चित्र पर चर्चा करने से पाठ के बारे में अनुमान लगाएँगे और अपने अनुभवों को साझा कर पाएँगे। | शिक्षक बच्चों को चित्र देखने कहें व चित्र से संबंधित प्रश्न पूछें।<br>• पाठ में दिए गए चित्र में तुमको क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?<br>• वृद्ध महिला के हाथ में क्या है ?<br>• क्या तुमने डमरू देखा है ? डमरु कैसे बजता है ?<br>• क्या तुम ने धनुष बाण देखा है ?<br>• वृद्ध महिला कहाँ जा रही होगी ?<br>• ओढ़नी किसे कहते हैं ? |
| 2. कविता को हाव-भाव के साथ सुनाना | • कविता पर बातचीत करने से पाठ का अर्थ समझ पाएँगे एवं नए शब्दों से परिचित होंगे।<br>• कविता को सस्वर सुना पाएँगे। | • बच्चे कविता का भरपूर आनंद ले सकें इसलिए बच्चों को लय एवं अभिनय के साथ कविता सुनाएँ शिक्षक कविता को दो-तीन बार सुनाएँ, बच्चों को समूह में ,जोड़ो में कविता सुनाने के अवसर प्रदान करें ताकि बच्चों को कविता याद हो जाएँ और वे स्वतंत्र रूप के कविता गा सकें। |
| **द्वितीय दिवस**<br>**( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| 3. कविता पर बातचीत | • कविता पर बातचीत करने से बच्चे कविता के बारे में जान पाएँगे।<br>• कविता में आए शब्दों से परिचित हो सकेंगे।<br>• पारिवारिक रिश्ते, बुजुर्गों के प्रति सम्मान का भाव विकसित होगा। | **शिक्षक कविता सुनाने के बाद जब बच्चों को कविता अच्छे से याद हो जाए तो कविता से संबंधित प्रश्न पूछें -**<br>• छतरी लेकर कौन चलता है ?<br>• दादी हमेशा छतरी लेकर क्यों चलती होगी ?<br>• तुम छाते का उपयोग कब करते हो ?<br>• शाल का उपयोग कब किया जाता है ?<br>• दादी की क्या पहचान है ?<br>• तुम अपने घर के बुजुर्ग (दादा-दादी /नाना-नानी) के कौन-कौन से काम में सहयोग करते हो ? |

**4. शब्द पहचान**

- विभिन्न वर्णों से शुरू होने वाले शब्दों के नाम बता पाएँगे।

**वर्ण अक्षर की पहचान**

- शिक्षक पाठ में आए नए वर्णों घ, ड, ओ, छ, ध, औ से शुरू होने वाले शब्दों की पहचान के लिए निम्न गतिविधि कराएँ –
- पाठ में आए शब्द जैसे छतरी के वर्णों को अलग-अलग वर्णों में तोड़कर बोले जैसे - छतरी = छ + त + री
- शिक्षक छतरी को बोर्ड पर लिखे और उसके पहले अक्षर पर घेरा लगाएँ।
- अब बच्चों से 'छ' वर्ण से शुरू होने वाले शब्द पूछें। बच्चों द्वारा बताएँ गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें। शब्दों को पहली ध्वनि पर बल दें और छ का उच्चारण करते हुए गोला लगाएँ।

  उदा. छाया, छत्तीसगढ़

  इसी तरह अन्य वर्णों के लिए भी उक्त गतिविधि करायें।

**5. शब्द बनाओ**

- दिए गए वर्णों से शब्द बना पाएँगे।

- **नए सीखे वर्णों ओ, औ, ड, ध, घ, छ से खाली स्थान भरो –**

  -----------ढ़नी, -----------तरी,

  -----------मरू, -----------र,

- **दिए गए वर्णों से शुरू होने वाले शब्द लिखो और पढ़ो–**

| वर्ण → | घ | ड | ओ | छ | ध | औ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| उदा. | घड़ी | | | | | |

**तृतीय दिवस**

**( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )**

**6. लेखन कौशल**

- लिखित अभिव्यक्ति कर पाएँगें।

- दिए गए शब्दों को उचित वर्णों के कॉलम में रखों। ओखली, ओढ़नी, घर, ओला, औषधि, औजार, डगर, डफली, डमरू, घना,

| **वर्ण →** | **ओ** | **औ** | **ड** | **घ** |
|---|---|---|---|---|
| **उदा.** | **ओखली** | | | |
| | | | | |

| | | |
|---|---|---|
| 7. पठन कौशल | • बच्चे ए और ऐ की मात्रा को सीखने के उपरान्त पाठ को पढ़ पाएँगे। | **पढ़ो-**<br>• सोमेश के पास एक तोता है। तोता राम-राम बोलता है। सोमेश को सोम-सोम बोलता है। सोमेश ने तोते को ओम बोलने को कहा तोता ओम-ओम कहने लगा। सोमेश बहुत खुश हुआ। |
| 8. सृजनात्मक कौशल | • बच्चों के रचनात्मक कौशल में वृद्धि होगी। | • बांस, झाड़ू की सींक से धनुष बाण बनाओ। |

## चतुर्थ दिवस

**आकलन**

- **चित्र बनाकर नाम लिखो - घड़ी, छतरी, डमरू, ओढ़नी।**
- **दादा-दादी/नाना-नानी का नाम अपनी कॉपी में लिखकर लाओ।**
- **दिए गए वाक्यों को पढ़ो और अपनी कॉपी में लिखो ।**

**1. मेरी दीदी की ओढ़नी का रंग पीला है।**

**2. मैं बरसात में छतरी लेकर बाजार जाता हूँ।**

**3. मैं मुरली बजाता हूँ।**

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

शिक्षक का अनुभव –

(सावित्री डहरे, शा.प्राथ.शाला कदमगुड़ा, छापर भानुपरी

**गतिविधि क्रमांक 1 चित्र पर बातचीत**

**गतिविधि क्रमांक**

//आंकलन प्रपत्र//

शिक्षक का नाम :- सावित्री डहरे

कार्यरत संस्था का नाम :- प्राथमिक शाला, कदमगुड़ा छापर भानपुरी

मोहल्ला/स्कूल का नाम :- लिमजोड़ीपारा/प्राथमिक शाला कदमगुड़ा

मोबाइल नंबर :- मो.नं. 7974188603 व्हाट्सएप नं. 7974188603

उपस्थित बच्चों की संख्या :- 15

दिनांक/दिन :- 19/11/2020 से 22/11/2020

1. पाठ का नाम :- पाठ-14 ओढ़नी
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ :- तीन दिन
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आई ? हाँ/नहीं :- हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई ? हाँ/नहीं :- हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों ? और कौन-सी गतिविधि नहीं कराई ? :-
6. गतिविधियाँ कराते समय आपकों कौन-कौन सी समस्याएँ हुई ? :-

   विद्यालय में आने वाले बच्चे सीखते समय अपने अनुभव के बारे में नहीं बोल पाते और जो सीखा उसे भी पर्याप्त रूप से नहीं सोचते वह केवल चित्र को देखना अक्षर पहचान नहीं पाना बच्चों की समझ की गति धीमी होती है, जिज्ञासा से भी बच्चे बोल नहीं पाते है।
7. कौन-कौन सी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी ?:-

   गतिविधि में शब्दों को नहीं पढ़ पाना सिखाते समय ध्यान केंद्रित नहीं करना कक्षा को रोचक, आनंदमयी और अच्छा वातावरण बनाने के बाद भी ध्यान केंद्रित कर रुची नहीं लेना गतिविधि के दौरान चर्चा कर छोटी चीजों के सवाल पर बोलकर कोई प्रतिक्रिया नहीं देना।
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव :-

   कक्षा में रोचक गतिविधि- बच्चों को बालगीत, कविता, कहानी, नाटक, खेल के माध्यम से अक्षरों और मात्राओं से परिचित शब्दों की पहचान, सामूहिक रूप से कोई बात बताने को कहना उनके स्तर अनुसार बात कहना उसे देखने का अवसर देना, कक्षानुसार और स्तरानुसार कक्षा को रोचक बनाना।
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव :-

   अनुभव के आधार पर विद्यालय में बच्चों के साथ कार्य करने की जरूरत होती है, स्वयं को उनके स्तर तक ले जाकर मित्रतापूर्ण रिश्ता बनाना, कक्षा में होने वाली गतिविधि में बच्चे गीत कविता के साथ शुरुआत करते हैं अपनी इच्छानुसार पढ़े हुये गतिविधि में कार्य करते हैं तो मुझे आनंदमय का अनुभव होता है।
10. पाठ से संबधित वीडियों (2–3 मिनट) व फोटो ।

नाम व हस्ताक्षर

सावित्री डहरे
प्रा० शा० कदमगुड़ा
संकुल छापर भानपुरी
वि०ख० तोकापाल

A_Olefice_Letter_Aie_2020_21

# पाठ 15

# खिलौने वाला

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH103, LH106, LH107, LH108, LH109, LH110, LH111, LH112, LH113 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| प्रथम दिवस | | |
| 1. चित्र एवं पाठ के शीर्षक पर बातचीत | चित्र पर चर्चा करने से पाठ के बारे में अनुमान लगाएँगे और अपने पूर्व अनुभवों को साझा कर पाएँगे। | शिक्षक बच्चों को चित्र देखने कहें। पाठ के शीर्षक एवं चित्र से संबंधित प्रश्न पूछें -<br>• चित्र में तुम्हें क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?<br>• चित्र में कौन-कौन से पक्षी हैं ?<br>• हाथी के ऊपर कौन बैठा है ?<br>• बच्चा क्या कर रहा है ?<br>• तुम्हारा मनपसंद खिलौना कौन-सा है?<br>• खिलौने किन-किन चीजों से बने होते हैं?<br>• तुम कौन-कौन से खेल खेलते हो ? |
| 2. कविता को हाव-भाव के साथ गाना | • बच्चों को कविता याद हो जाएगी।<br>• कविता में दिए गए शब्दों को पहचान पाएँगे। | • बच्चे कविता का भरपूर आनंद ले सकें इसलिए बच्चों को लय एवं अभिनय के साथ कविता सुनाएँ। शिक्षक कविता को दो-तीन बार सुनाएँ। बच्चों को समूह में, जोड़ो में कविता सुनाने के अवसर प्रदान करें ताकि बच्चों को कविता याद हो जाएँ और वे स्वतंत्र रूप के कविता गा सकें। |
| द्वितीय दिवस<br>( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद ) | | |
| 3. कविता पर बातचीत | • कविता पर बातचीत करने से पाठ की समझ विकसित होगी। | • कविता में किन-किन चीजों के नाम आएं हैं ?<br>• क्या तुमने सचमुच के हाथी, भालू को देखा है ?<br>• चौकी-बेलन कौन बेच रहा है ?<br>• चाबी वाले कौआ, मोर क्या कर रहे हैं ?<br>• तुमने किन-किन चीजों से खिलौने बनाएँ हैं ?<br>• तुम्हारा खिलौना यदि टूट/गुम जाता है तो तुम क्या करते हो ?<br>• तुम किसके साथ खिलौने खेलते हो ? |
| 4. पठन कौशल | • बच्चे ो (ओ) और ौ (औ) की मात्रा को पहचान पाएँगे।<br>• बच्चों के शब्द ज्ञान में वृद्धि होगी।<br>• बच्चे वर्ण में मात्रा लगाना सीख पाएँगे। | • पढ़ो - ो (ओ) और ौ (औ) की मात्रा वाले शब्द श्याम पट्ट पर लिखकर बच्चों के पढ़ने कहें। जैसे – मोना, मौसी, गोल, भौरा। |

| | | |
|---|---|---|
| | | • **दिए गए वर्णों से शब्द बनाकर पढ़ो व लिखो-**<br>मो ---------------------<br>भो र ---------------------<br>शो ---------------------<br><br>चौ ---------------------<br>भौ की ---------------------<br>लौ --------------------- |
| **तृतीय दिवस**<br>**( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| **5. लेखन कौशल** | • बच्चों के शब्द भंडार में वृद्धि होगी। | • **जोड़ी मिलाओ -**<br>खिलौना - औरत<br>हाथी - जोकर<br>जोकर - खिलौना<br>कौआ - हाथी<br>औरत - कौआ<br>• **औ ( ौ ) वर्ण से बने शब्दों पर गोला लगाओ-**<br>ओखली, औलाद, ओढ़नी, औजार,<br>औषधि, ओंकार, फौलाद, खिलौना। |
| **6. सृजनात्मक कार्य** | • रचनात्मक कौशल एवं कल्पनाशीलता का विकास होगा। | • मिट्टी या कागज से खिलौने बनाने की गतिविधि कराएँ। |
| **चतुर्थ दिवस** | | |

**आकलन**

- दिए गए कहानी को पढ़कर खाली स्थान भरो -

कौए ने अपने घर खाने की दावत रखी। कोयल, मैना, तोता, कबूतर, उल्लू, चिड़िया सभी खाने पर आए। कौए ने खाने में चावल, दाल, हरी मिर्ची, पका आम, पपीता, बेर, जाम आदि रखा। तोते ने हरी हरी मिर्ची खाई, कबूतर और मोर ने दाना चुगा, उल्लू और चिड़िया ने पका आम, पपीता, जाम और बेर खाए। अचानक वहाँ एक शिकारी आया, शिकारी को देखते सब भाग गए। कौआ की दावत अधूरी रह गई।

- दावत ............ के घर थी।
- हरी हरी मिर्ची ............ ने खाई।
- ............ को देखते ही सब भाग गए।
- आम, जाम ............ ने खाया।

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

## शिक्षक का अनुभव -

(श्रीमती पारेश्वरी अमादिया, शास. प्राथ. शाला ओगायगुड़ा)

**गतिविधि क्र. 2 कविता को हाव-भाव के साथ गाना -**

**गतिविधि क्र. 2 कविता को हाव-भाव के साथ गाना**

**गतिविधि क्रमांक 4 पठन कौशल -**

**गतिविधि क्रमांक 4 पठन कौशल -**

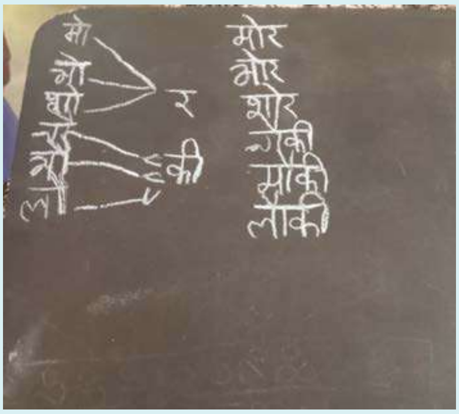


**गतिविधि क्रमांक 5 लेखन कौशल -**

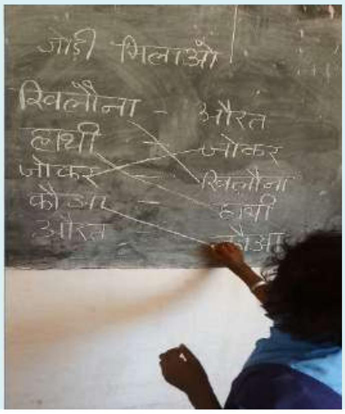


**गतिविधि क्रमांक 6 सृजनात्मक कार्य -**

//आकलन प्रपत्र//

शिक्षक का नाम :- श्रीमती पारेश्वरी अगादिया

कार्यरत संस्था का नाम :- प्राथमिक शाला ओगायगुड़ा दवालेंगा

मोहल्ला/स्कूल का नाम :- ओगायगुड़ा

मोबाइल नंबर :- मो.न. 9479223750 व्हाट्सएप न. 6265986706

उपस्थित बच्चो की संख्या :- 15

दिनांक/दिन :- 19-11-2020 से 23-11-2020 तक

1. पाठ का नाम :- पाठ - 15 खिलौने वाला
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ :- 5 दिन
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आई ? हाँ/नहीं :- हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई ? हाँ/नहीं :- हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों ? और कौन-सी गतिविधि नहीं कराई ? :-
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन-कौन सी समस्याएँ हुई ? :- बच्चो को ै की मात्रा और ौ की मात्रा को समझाने में कठिनाई हुई सबसे समान ध्वनि वाले मात्रा को समझा पाने में अधिक समय लगा है।
7. कौन-कौन सी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी ? :- कुछ पलाक आगवाँ पल्ली को बच्चे ै तथा ौ की मात्रा पढ़ाते तथा शब्दो को बोलते नहीं थे
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव :- पाठ को रोचक बनाने के लिए हमें चाहिए कि हम जो पाठ पढ़ा रहे हैं उसे बच्चे को पहले उस पाठ से संबंधित कुछ छोटी छोटी जानकारी दे दे तो पाठ को पढ़ाने में हमें आसानी होगी
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव :- पाठ को पढ़ाने के दौरान मेरा अनुभव है कि बच्चे पाठ को अभिनय से अच्छे से करते है। और बच्चे ध्यान से सुनते तथा बोलते है।
10. पाठ से संबंधित वीडियों (2-3 मिनट) व फोटो ।

Pareshwari

नाम व हस्ताक्षर

श्रीमती पारेश्वरी अगादिया

प्रा०शा ओगायगुड़ा दवालेंगा

संकुल - भोगु

A_Ofcfice_Letter_Aic_2020_21

# पाठ 16

# झण्डा

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH103, LH106, LH107, LH108, LH109, LH110, LH113 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| **प्रथम दिवस** | | |
| 1. चित्र पर बातचीत | • कविता पर चर्चा करने के बच्चों अपने अनुभवों को साझा कर पाएँगे। | • इस पाठ में दिए गए चित्र में तुमको क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?<br>• तुमने तिरंगा झंडा कहाँ देखा है ?<br>• तिरंगे झंडे में कौन-कौन से रंग होते हैं?<br>• बच्चे क्या कर रहे हैं ? |
| 2. कविता को हाव-भाव के साथ सुनाना | • कविता को सस्वर सुना पाएँगे। | • बच्चे कविता का भरपूर आनंद ले सकें इसलिए बच्चों को लय एवं अभिनय के साथ कविता सुनाएँ। शिक्षक कविता को दो-तीन बार सुनाएँ। बच्चों को समूह में, जोड़ो में कविता सुनाने के अवसर प्रदान करें ताकि बच्चों को कविता याद हो जाएँ और वे स्वतंत्र रूप के कविता गा सकें। |
| **द्वितीय दिवस**<br>**( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| 3. कविता पर बातचीत करना | • कविता पर बातचीत करने से पाठ का अर्थ समझ पाएँगे एवं नए शब्दों से परिचित होंगे। | • **झंडा किसकी शान है ?**<br>• **झंडा कब-कब फहराते है ?**<br>• **तुम लोगों ने और कौन-कौन से झंडे देखे है ?** |
| 4. वर्ण की पहचान | • दिए गए शब्दों के प्रथम वर्ण को पहचान पाएँगे। | • दिए गए शब्दों का पहला वर्ण लिखो –<br>उदा. (नीचे तालिका देखें) |

| | शब्द | पहला वर्ण |
|---|---|---|
| उदा. | झंडा | झ |
| | अंगूर | |
| | यज्ञ | |
| | थन | |
| | षटकोण | |
| | ढफली | |

| | | |
|---|---|---|
| 5. पाठ में आए नए शब्दों को पढ़ना | • पाठ में आए शब्दों को पढ़ पाएँगे। | **दिए गए शब्दों को जोड़कर पढ़ो -**<br>**1.** 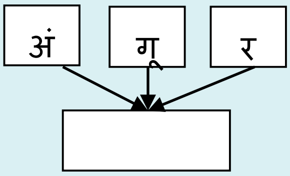<br>**2.** 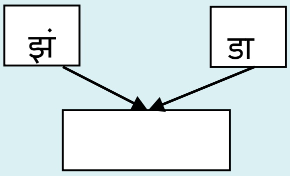<br>**3.** 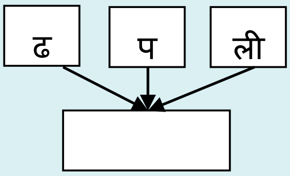<br>**4.** 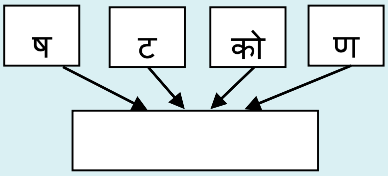 |
| **तृतीय दिवस**<br>**( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| 6. अं ( ं ) की मात्रा वाले शब्द | • बच्चे अं ( ं ) की मात्रा लगाकर पढ़ना सीख पाएँगे। | • **अं ( ं ) की मात्रा लगाकर सही शब्द बनाओ -**<br>**उदा. अगूर - अंगूर**<br>**बदर - ..................**<br>**कघी - ..................**<br>**कधा - ..................**<br>**पतग - ..................**<br>**मदिर - ..................** |
| 7. सृजनात्मक कार्य | • बच्चे अपने झंडे के रंगों से परिचित हो जाएँगे।<br>• देश प्रेम की भावना का विकास होगा। | • झंडे का चित्र बनाकर रंग भरने को कहें।<br>• झंडे को सलामी देने का अभिनय कराएँ। |

## चतुर्थ दिवस

**आकलन**

- दी गई कहानी को पढ़कर खाली स्थान भरो –

जंगल में मंगल

गंगा नदी के किनारे एक जंगल था। वहाँ पर मेला लगा था। चिड़ियों एवं बंदरों का झुंड मेला देखने गया। एक छोटा लंगूर बहुत चंचल था। वह गंगा के जल में नहाने लगा। नदी गहरी थी। लंगूर डूबने लगा। चिड़ियों ने आवाज लगाई। बंदरों को बुलाया। कोई भी लंगूर को नहीं निकाल पाया। तभी हाथी ने अपनी लंबी सूँड़ बढ़ाई। लंगूर को नदी से बाहर निकाला। चिड़ियों ने लंगूर को गरम कॉफी पिलाई। सभी आनंदित हुए। जंगल में फिर से मंगल हुआ।

1. चिड़ियों व बंदरों का झुंड ................ देखने गया।
2. नदी ..................थी।
3. ................. नदी में डूबने लगा।
4. ................. ने लंगूर को बाहर निकाला।
5. लंगूर को ........................... पिलाई गई ।

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

**शिक्षक का अनुभव –**

**श्री दीपेश तिवारी पुरोहित, प्राथ; शाला डेरा**

| **गतिविधि क्रमांक - 2 कविता को हाव-भाव के साथ सुनाना** | **गतिविधि क्रमांक – 7 सृजनात्मक कार्य** |
|---|---|
| | |

# पाठ 17

# बंदर और गिलहरी

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH104, LH105, LH106, LH107, LH109,LH110, LH112, LH113 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| प्रथम दिवस | | |
| 1. चित्र पर बातचीत | • पाठ में आए चित्रों पर बातचीत कर पाएँगे और अपने अनुभव बता पाएँगे, जिनसे बच्चों में मौखिक भाषा की समझ बनेगी। | • पाठ में दिए गए चित्र में तुमको कौन-कौन सी चीजें दिखाई दे रही हैं?<br>• बन्दर की पूँछ कैसी है ?<br>• बन्दर पेड़ पर बैठे - बैठे क्या सोच रहा होगा ?<br>• गिलहरी वहाँ क्या कर रही है ? |
| 2. कहानी को हाव-भाव के साथ सुनाना | • हाव-भाव के साथ कहानी सुनाने से बच्चों को मजा आएगा। | शिक्षक कहानी को सुनाते हुए बच्चों को अनुमान लगाने के लिए प्रश्न भी पूछें। जैसे-<br>• पूंछ देखकर गिलहरी ने क्या सोचा होगा ?<br>• गिलहरी बंदर की पूंछ पकड़कर झूलने लगी तब बंदर ने क्या कहा होगा ? |
| द्वितीय दिवस<br>( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद ) | | |
| 3. कहानी पर बातचीत | • कहानी के घटनाक्रम को समझ सकेंगे।<br>• कहानी पर समझ बढ़ेगी। | • बन्दर और गिलहरी पाठ कैसा लगा ?<br>• पाठ में तुमको कहाँ-कहाँ पर मजा आया और क्यों ?<br>• गिलहरी किसको पकड़कर झूलने लगी ?<br>• बंदर को गुदगुदी क्यों हुई ?<br>• अपने आस-पास पाए जाने वाले जानवरों के नाम बताओ ?<br>• दिए गए जानवरों में कौन-कौन उछल-कूद करता है ?<br>गाय, शेर, गधा, गिलहरी, हाथी, खरगोश, बिल्ली, चूहा, कुत्ता, ऊँट आदि। |
| 4. पठन कौशल | • नवीन शब्दावली का विकास होगा। | **दिए गए** शब्दों **को पढ़ो -**<br>• बंदर, गिलहरी, गुदगुदी, झूला<br>• पाठ में दी गई कहानी को पढ़ो |

| तृतीय दिवस<br>( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद ) | | |
|---|---|---|
| 5. लेखन कौशल | • बच्चों के शब्द भंडार में वृद्धि होगी।<br>• बच्चे वाक्य संरचना को समझ पाएँगे। | • **सही मात्रा वाले शब्द पहचान कर गोला लगाओ -**<br>ऊट, ऊँट<br>पुँछ, पूँछ<br>बंदर, बदर<br>झूला, झुला |
| 6. सृजनात्मक कार्य | • बच्चों के रचनात्मक कौशल में वृद्धि होगी। | **कविता को आगे बढ़ाओ -**<br>• बंदर की पूंछ इतनी लंबी थी, इतनी लंबी जैसे सड़क<br>• चूहे की पूंछ इतनी लंबी थी, इतनी लंबी जैसे --------<br>• कोयल की ---- इतनी ------ थी, जैसे ----------<br>• गाय इतनी सीधी थी, इतनी सीधी थी जैसे -------------<br>**अभिनय करो -**<br>बंदर का, गिलहरी का |

## चतुर्थ दिवस

**आकलन**

- दी हुई कहानी को पढ़ो और लिखो -

एक दिन गिलहरी और खरगोश ने पेड़ पर झूला डाला। तभी वहाँ एक बंदर आया। वह झूला झूलने लगा। झूला टूट गया। गिलहरी, खरगोश और बंदर ने मिलकर दूसरे पेड़ पर झूला डाला। तीनों झूला-झूलकर बहुत खुश हुए।

- दिए गए शब्दों से एक-एक वाक्य बनाओ। जैसे -

उदा.- झूला - मेरे घर झूला है।

गिलहरी - ..............................................

बंदर - ..............................................

गुदगुदी - ...............................................

- दिए गए शब्दों पर ‘ ’ (अं) की मात्रा लगाकर सही शब्द बनाओं -

बदर - ----------

कचन - ----------

पकज - ----------

सूड - ----------

कबल - ----------

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

# पाठ 18

# हलीम चला चाँद पर

| लर्निंग आउटकम्स | LH101, LH102, LH104, LH105, LH106, LH107, LH110, LH112, LH113 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| **प्रथम दिवस** | | |
| 1. चित्र एवं पाठ के शीर्षक पर बातचीत | • पाठ के शीर्षक एवं चित्र पर चर्चा करने से बच्चों को अनुमान लगाने, कल्पना करने, जिज्ञासा उत्पन्न करने के अवसर प्राप्त होंगे। | • चाँद कहाँ दिखाई देता है ?<br>• चाँद पर कैसे जा सकते है ?<br>• चाँद कब दिखाई देता है ?<br>• चित्र में दिख रहा लड़का क्या सोच रहा होगा ?<br>• चाँद को किस-किस नाम से बुलाते हैं। |
| 2. चित्र कथा पर चर्चा कर वाचन | • चित्र कथा में दिए नए शब्दों से परिचित हो पाएँगे।<br>• प्रत्येक चित्र पर चर्चा करने से बच्चे पाठ को समझ पाएँगे। | • शिक्षक चित्र में दिए गए वाक्यों को पढ़कर उन पर चर्चा करें। बच्चों को समूह में पढ़ने कहे। |
| **द्वितीय दिवस**<br>( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद ) | | |
| 3. कहानी पर चर्चा | • कहानी पर चर्चा करने से कहानी की समझ विकसित होगी। | • बच्चों को चित्र देखकर सोचने व अनुमान लगाने हेतु प्रश्न पूछें। जैसे - हलीम क्या सोच रहा होगा ?<br>• हलीम किस पर बैठ कर चाँद पर गया होगा ? (बच्चों का अनुमान सही भी हो सकता है और गलत किन्तु यह भाषायी विकास की प्रक्रिया है।)<br>• हलीम किस पर बैठ कर चाँद पर गया ?<br>• हलीम क्यों डर गया ?<br>• हलीम ने चाँद पर क्या-क्या देखा ?<br>• हलीम को अंधेरे से डर लगता है, तुम्हे कब-कब डर लगता है ?<br>• डर लगने पर तुम क्या-क्या करते हो ? |
| 4. ँ चन्द्र बिन्दु वाले शब्दों की पहचान करना | • ँ चन्द्र बिन्दु की मात्रा से परिचित होंगे एवं इस मात्रा से संबंधित शब्दों को पढ़ व लिख सकेंगे। | • चाँद में ँ की मात्रा लगी है। इसी तरह की मात्रा वाले शब्द कहानी में और कहाँ-कहाँ आए हैं। गोला लगाओ और देखकर अपनी कॉपी में लिखो।<br>• **दिए गए शब्दों पर ँ की मात्रा लगाओ और पढ़ो-**<br>गाव - गाँव<br>हसी - ....................<br>कहा-कहा - ................<br>टागा - .............. |

| | | |
|---|---|---|
| | | अधेरा - ................ <br>• चन्द्र बिन्दु ँ वाले शब्दों एवं सरल वाक्यों का श्रुत लेख (इमला) करवाएँ। <br>• चन्द्र बिन्दु ँ वाले अन्य शब्द श्यामपट्ट पर लिखकर बच्चों को पढ़ने कहें - <br>जैसे – हँसना, आँखे |
| **तृतीय दिवस <br>( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| **5. सृजनात्मक कार्य** | • सृजनात्मक कौशलों का विकास होगा। | • बच्चों से कागज या पुराने अखबार से रॉकेट बनवाएँ और उसे उड़ाने का अभिनय करें। |
| **चतुर्थ दिवस** | | |

**आकलन**

- चाँद और सूरज का चित्र बनाकर एक-एक वाक्य लिखो ।
- चाँद के बारे में कोई कविता या कहानी सुनाओ।
- हलीम चाँद पर जाना चाहता था, तुम कहाँ जाना चाहोगे और कैसे ?

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

**शिक्षक का अनुभव -**

**(श्री योगेश कुमार निर्मलकर, शा.प्राथ.शाला नवागाँव)**

**गतिविधि क्रमांक 1- चित्र एवं पाठ के शीर्षक पर बातचीत**

**गतिविधि क्रमांक 2- चित्र कथा पर चर्चा कर वाचन**

**गतिविधि क्रमांक 4 - दिए गए शब्दों पर ँ की मात्रा लगाओ और पढ़ो**

**गतिविधि क्रमांक 4 - चन्द्र बिन्दु ँ वाले शब्दों एवं सरल वाक्यों का श्रुत लेख (इमला) करवाएँ।**

## गतिविधि क्रमांक 5- सृजनात्मक कार्य

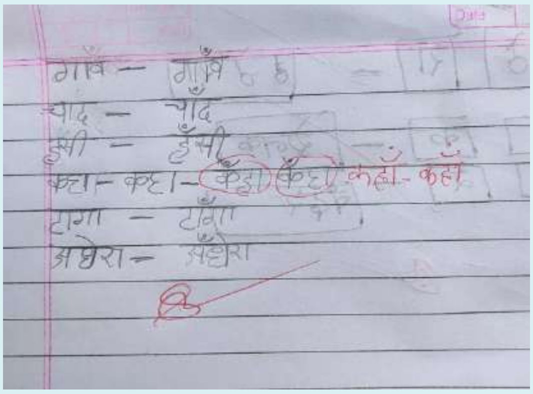

### आकलन प्रपत्र

1. **शिक्षक का नाम : योगेश कुमार निर्मलकर**
2. **कार्यरत संस्था का नाम : शासकीय प्राथमिक शाला नवागाँव**
3. **मोहल्ला स्कूल का नाम : शासकीय प्राथमिक शाला नवागाँव**
4. **मोबाइल नम्बर : 9770199268**
5. **उपस्थित बच्चों की संख्या : 16**
6. **दिनांक / दिन : 25/03/2021, बुधवार**

---

1. पाठ का नाम : **हलीम चला चाँद पर**
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ : **03 दिन**
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधि समझ में आयी - **हाँ**
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई - **हाँ**
5. यदि नहीं तो क्यों ? और कौन सी गतिविधि नहीं किए - ------
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन-कौन सी समस्याएँ हुई - **कोई विशेष समस्या नहीं हुई।**
7. कौन-कौन सी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी - **लगभग सभी गतिविधियों में बच्चों की सहभागिता रही।**
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव - **1. कागज की नाव बनाकर पानी में तैराने की गतिविधि करवाई जा सकती है।**
   **2. चाँद के स्थान पर प्रतीकात्मक रूप से किसी गाँव, स्थल आदि पर जाने का अभिनय शिक्षक व बच्चे कर सकते हैं।**
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव - **चित्र और कहानी पर चर्चा के दौरान एक बच्चे ने कहा कहा कि बालक मछली पर बैठा है। दूसरे बच्चे के यह कहने पर कि - मछली के पीछे तरफ से कहीं आग निकलता है ? उस बच्चे ने कहा - "मछली को वह लड़का बहुत सारा मिर्ची खिला दिया होगा इसलिए उसके पीछे से आग निकल रहा है और कलबलाकर भाग रहा है।**
10. पाठ से संबंधित वीडियो (2-3 मिनट) व फ़ोटो - **संलग्न**
11. इस पाठ की व्याकरण / अवधारणा संबंधित त्रुटियाँ -
    1. गतिविधि 3 अंतर्गत कैसे करें खाने के पहले वाक्य में **लगाने** दो बार प्रिंट हुआ है।
    2. गतिविधि 4 में 'इ' डिब्बे के रूप में प्रिंट हुआ है।

योगेश कुमार निर्मलकर

# पाठ 19

# दौड़

| लर्निंग आउटकम्स | LH101,102,LH106, LH110, LH112 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| प्रथम दिवस | | |
| 1. चित्र एवं पाठ के शीर्षक पर बातचीत | • पाठ के शीर्षक एवं चित्र पर चर्चा करने से बच्चों को अनुमान लगाने, कल्पना करने, जिज्ञासा के अवसर प्राप्त होंगे। | • चित्र में कौन-कौन सी सब्जियाँ दिखाई दे रही हैं ?<br>• तुम्हें कौन-कौन सी सब्जियाँ पसंद हैं ?<br>• तुम्हारे घर सब्जी कहाँ से आती है ?<br>• कौन-कौन सी सब्जियाँ लाल रंग की होती हैं ?<br>• तुम्हें कौन-कौन से खेल पंसद हैं ?<br>• कौन-सी ऐसी सब्जी है, जो जमीन के अंदर होती है ? |
| 2. कहानी को हाव-भाव से सुनाना | • कहानी सुनकर बच्चे आनंदित होगें।<br>• पठन व सुनने के कौशलों का विकास होगा। | • बच्चे कहानी का भरपूर आनंद ले सकें इसलिए बच्चों को अभिनय के साथ कहानी सुनाएँ, जिससे कहानी को समझ सके। |
| द्वितीय दिवस<br>( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद ) | | |
| 3. कहानी पर बातचीत | • कहानी पर चर्चा करने से पाठ पर समझ विकसित होगी। | • लौकी व मुनगा में कौन पतला होता है ?<br>• मूली और गाजर दोनों कहाँ उगते हैं ?<br>• लौकी का रंग कैसा होता है ?<br>• लौकी दौड़ में जीत गई। जीतने पर उसे कैसा लगा होगा?<br>• दौड़ में भाग लेने वाली सब्जियों के नाम बताओ ?<br>• लौकी को देखकर सब उसका मजाक क्यों उड़ाने लगे?<br>सभी सब्जियाँ फिसलकर क्यों गिरने लगी ? |
| 4. कहानी का पठन | • बच्चे चित्र का अवलोकन करेंगे तथा अनुमान से पढ़कर सीखेंगे। | • बच्चों को समूह में कहानी पढ़ने कहें।<br>बच्चे अनुमान से एक दूसरे को सहयोग से हिज्जा करते हुए पढ़ेगें। |

| | | |
|---|---|---|
| **5. शब्द बनाओ** | • वर्णों को जोड़कर नवीन शब्द बना पाएँगे व शब्दों को पढ़ सकेंगे। | क<br>छ<br>घ<br>ब<br>जो<br>प<br>← ड़ी<br><br>कड़ी<br>.................<br>.................<br>.................<br>.................<br>................. |

**तृतीय दिवस**

**( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )**

| | | |
|---|---|---|
| **6. कहानी बताओ** | • बच्चों की कहानी पर समझ बन पाएँगी।<br>• कहानी सुनने एवं सुनाने के कौशल का विकास होगा। | • बच्चों को अपनी भाषा में कहानी सुनाने के अवसर प्रदान करें।<br>• बच्चों द्वारा कहानी सुनाने पर कहानी से संबंधित कुछ प्रश्न भी करें। |
| **7. अन्य कविता का पठन** | • पाठ में दी गई कविता मकड़ी, ककड़ी, लकड़ी के माध्यम से बच्चे 'ड़' वर्ण को पहचान पाएँगे।<br>• एक समान ध्वनि वाले शब्दों को पहचान पाएँगे। | • शिक्षक पाठ में दी गई कविता मकड़ी, ककड़ी, लकड़ी को हाव-भाव के साथ सुनाएँ। समान ध्वनि वाले शब्द पूछें -<br>• ककड़ी, .............<br>• आलू, ................ |
| **8. सृजनात्मक कार्य** | • बच्चे सब्जियों को पहचान पाएँगे व उसके रंगों व आकार को समझ पाएँगे। | • तुम को जो भी सब्जी अच्छी लगती हो उसका चित्र बनाकर रंग भरो ? |

**चतुर्थ दिवस**

**आकलन**

- दी गई कहानी को पढ़कर खाली स्थान भरो -

नानी खेत से पालक लाई। पायल टमाटर लाई। नानी ने पालक का साग और भात बनाया। पायल ने टमाटर की चटनी बनाई। नानी ने पायल से चटनी ली। पायल ने नानी से साग और भात लिया। दोनों साग भात खाकर बहुत खुश हुए।

1. नानी ............. पालक लाई।
2. पायल ................ लाई।
3. नानी ने .......... और ................. बनाया।
4. पायल ने ............... बनाया।

**टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

## शिक्षक का अनुभव -
( श्रीमती प्रेरणा कश्यप, प्रा. शा. ऊपरपारा, करंदोला )

**गतिविधि क्रमांक 4 - कहानी का पठन**

**गतिविधि क्रमांक 5 - शब्द बनाओ**

**गतिविधि क्रमांक 7 हाव-भाव के साथ पाठन**

**गतिविधि क्रमांक 8 - सृजनात्मक कार्य**

**गतिविधि क्रमांक**

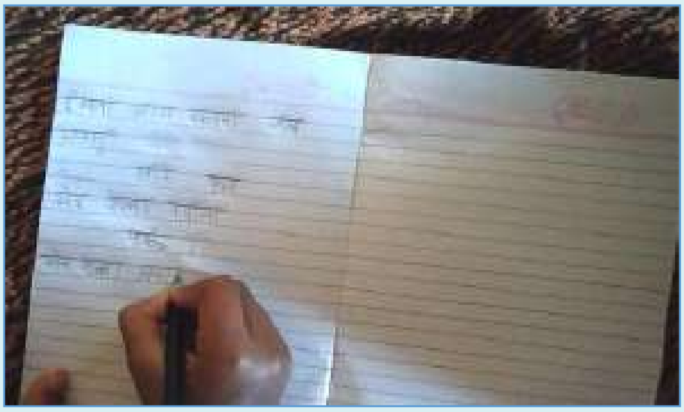

**गतिविधि क्रमांक**

//आंकलन प्रपत्र//

शिक्षक का नाम :- श्रीमती प्रेरणा कश्यप

कार्यरत संस्था का नाम :- प्रा० शा० उपरपारा करंदोला

मोहल्ला/स्कूल का नाम :- उपरपारा (करंदोला)

मोबाइल नंबर :- मो.न. 9406015493 व्हाट्सएप न. 9406015493

उपस्थित बच्चों की संख्या :- 09

दिनांक/दिन :- 19/11/20 से 21/11/20 तक

1. पाठ का नाम :- पाठ-19 दौड़
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ :- 03
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आई ? हाँ/नहीं :- हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई ? हाँ/नहीं :- हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों ? और कौन-सी गतिविधि नहीं कराई ? :- —
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन-कौन सी समस्याएँ हुई ? :- ① गतिविधि कराते समय कुछ बच्चे उछल कूद किए। ② लेखन की गतिविधि में ड वाले शब्द लिखने में दिक्कत हुई। ③ प्रतिउत्तर धीमे आवाज में मिलती जिससे उत्तर दो तीन बार पूछना पड़ा।
7. कौन-कौन सी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी ?:- ① दूसरे की कहानी सुनते समय। ② लेखन की कुछ गतिविधि में।
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव :- ① बॉल पासिंग गेम कराकर प्रश्न के उत्तर पाना। ② पाठ में आए चीजों के बारे में बच्चों के साथ चर्चा करना। ③ कहानी+कविता को बच्चों के साथ मिलकर हाव-भाव से करना।
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव :- मैंने पाया कि बच्चों में पूर्वज्ञान होता है जिसे वे किसी से चर्चा के समय साझा करते हैं। पसंदीदा चीजों के बारे में तो वे खुल कर बात करते हैं।
10. पाठ से संबंधित वीडियो (2–3 मिनट) व फोटो ।

Kashyap
23/11/20
नाम व हस्ताक्षर

श्रीमती प्रेरणा कश्यप
सहा० शि० (एल बी.)

A_Ofcfice_Letter_Aie_2020_21

# पाठ 20

# इनको भी जानो

| लर्निंग आउटकम्स | LH105, LH106, LH108, LH109, LH110, LH111, LH113, LH114 |
|---|---|

| गतिविधि | गतिविधि क्यों करें ? | गतिविधि कैसे करें ? |
|---|---|---|
| **प्रथम दिवस** | | |
| 1. चित्र पर बातचीत | • पाठ के चित्र पर चर्चा करने से बच्चों को अनुमान लगाने, कल्पना करने, जिज्ञासा प्रगट करने के अवसर प्राप्त होंगे। | **शिक्षक बच्चों को पाठ के चित्र देखने को कहें व चित्र पर बातचीत करते हुए उनसे पूछें कि -**<br>• चित्र में तुम्हें क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?<br>• जड़ कहाँ पाई जाती है ?<br>• शलजम क्या है ?<br>• क्या तुमने पत्र देखा है ? पत्र किसको भेजते है ?<br>• क्या तुमने तीर देखा है, तीर से क्या करते है ?<br>• चित्र में एक आदमी व औरत क्या कर रहे है ? |
| 2. संयुक्त अक्षर वाले शब्दों का पठन | • बच्चे संयुक्त अक्षर वाले शब्दों को पहचान सकेंगे। | • शिक्षक पाठ में दिए गए संयुक्त शब्दों को ताली बजाकर उच्चारण करवाये। जैसे -<br>• शलजम - श ल ज म (4 ताली)<br>• छत्रिय -<br>• श्रमिक -<br>• ज्ञानी - |
| **द्वितीय दिवस**<br>**( प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| 3. पाठ पर बातचीत | • संयुक्त अक्षर वाले शब्द को पढ़ पाएँगे। | • बच्चों से पाठ में दिए गए चित्रों के नाम पूछें ?<br>• संयुक्त अक्षर वाले शब्दों को ब्लैक बोर्ड पर लिखे ? |
| 4. शब्दों को तोड़कर पढ़ना | • शब्दों में दिए गए वर्णों को पहचाना पाएंगे।<br>• वर्णों का उच्चारण कर शब्दों को पढ़ पाएंगे। | • शब्दों से वर्णों को अलग कर पढ़ो -<br>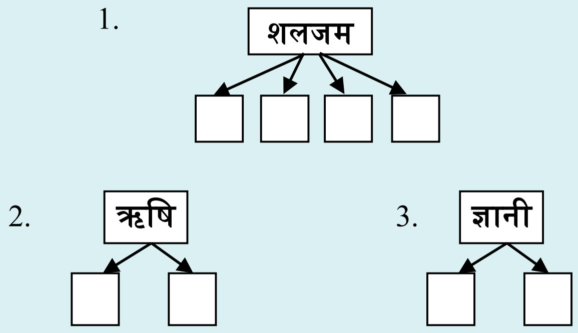 |

| | | |
|---|---|---|
| **तृतीय दिवस**<br>**( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| **5. शब्दों को जोड़कर पढ़ना** | • वर्णों का उच्चारण कर शब्दों को पढ़ पाएंगे।<br>• शब्दों में दिए गए वर्णों को पहचाना पाएंगे। | • **शब्दों से वर्णों को जोड़कर पढ़ो -**<br>(1) ग + ड़ → ☐<br>(2) ज + ड़ → ☐<br>(3) श्र + मि + क → ☐<br>(4) बा + ण → ☐ |
| **6. वर्ण की पहचान** | • दिए गए शब्दों में वर्णों को पहचाना पाएंगे।<br>• दिए गए वर्णों से शुरू होने वाले शब्दों को पढ़ सकेंगे। | **नीचे दिए गए वर्णों को पहचानों और शब्दों में दिए गए इसी वर्ण पर गोला लगाओ -**<br>श्र - श्रद्धा, श्रवण, श्रीमती, श्रीयंत्र<br>त्र - छात्रा, चित्र, त्रिशूल, त्रिपाठी, स्त्री<br>ज्ञ - ज्ञानचंद, ज्ञानवान, अज्ञानी, जिज्ञासा<br>श - शक्कर, शहद, शलभ, शंकर<br>ढ़ - पढ़ाई, कढ़ाई, बुढ़िया, गढ़<br>ड़ - लड़का, पगड़ी, सड़क, रबड़ी<br>ण - विशेषण, वीणा, बाण, मणी |
| **चतुर्थ दिवस**<br>**( पूर्व में की गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद )** | | |
| **7. सृजनात्मक कार्य** | • बच्चों में सृजनात्मक कौशल का विकास होगा। | • शलजम, बाण, क्षत्रिय का चित्र बनाओ/चित्र ढूंढकर अपनी कॉपी में चिपकाओ। |
| **पंचम दिवस** | | |

**आकलन**

- दिए गए गद्यांश को पढ़कर तालिका भरों -

  जाड़े के दिन थे। दादा दादी के साथ क्षमा और ज्ञानेश चित्रकोट की सैर पर निकले। रास्ते में उन्होने पेड़, पहाड़ तथा पुराने गढ़ देखे। पेड़ पर बहुत सारी मकड़ियों का जाल था। चित्रकोट पहुँकर सब ने जलप्रपात देखा, गुफा भी देखी। चित्रकोट का पानी देखकर सबको बहुत मजा आया। फिर सबने बैठकर खाना खाया। दादी ने पूड़ी, कचौड़ी, मुंगौड़ी, और रबड़ी लायी थी। सब ने झटपट खाना खाया। सबको बहुत मजा आया।

  ऐसे शब्दों को ढूंढ कर लिखो जिसमें निम्न वर्ण आए हो -

| | |
|---|---|
| ड़ | |
| त्र | |
| ज्ञ | |

**टीप :** **शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

## शिक्षक का अनुभव -
(श्रीमती शकुंतला देवांगन, शा. प्रा. शाला डोमाडीह)

**गतिविधि क्रमांक 3 संयुक्त अक्षर वाले शब्दों का वाचन**

**गतिविधि क्रमांक 4 पाठ पर बातचीत**

**गतिविधि क्रमांक 5 शब्दों को जोड़कर पढ़ना**

**गतिविधि क्रमांक**

**आकलन -**

# आकलन प्रपत्र

Page. Date. Genius

| | | |
|---|---|---|
| शिक्षक का नाम | : | श्रीमति शकुन्तला देवांगन |
| कार्यरत संस्था का नाम | : | शा. प्रा. शाला डोमाडीह |
| मोहल्ला / स्कूल का नाम | : | शा. प्रा. शाला डोमाडीह |
| मोबाइल नम्बर | : | 8319062415 |
| उपस्थित बच्चों की संख्या | : | 25 |
| दिनांक / दिन | : | 20-12-2020 |

000

1. पाठ का नाम : पाठ-20 इनको भी जानो –
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ : दो दिन में
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आई ? हाँ / नहीं : हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधि कराई ? हाँ / नहीं : हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों ? और कौन सी गतिविधि नहीं कराई ? : जी सभी गतिविधि कराई
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन-कौन सी समस्याएं हुई ? जी कुछ समस्याएँ नहीं हुई
7. कौन-कौन सी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी ? नदी का चित्र बनाने में व पहिली कक्षा वाले बच्चों को पाठ को पढ़ पाने में सरल संयुक्त वाक्य बनाने में सक्रिय सहभागिता नहीं थी।
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव : बच्चों को चित्र में रंग भरना, फूल बनाना अच्छा लगता है व तुक वाले शब्द बनाने में उत्सुकता आती है बच्चों को इसमें तुक वाले शब्द जैसे : फल : कल, छल, पल आदि इसमें रोचकता बढ़ जायेगी।
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव : बच्चे सरल से कठिन की ओर सीखते हैं विषय को अंतिम पाठ में बच्चे स्वयं सभी अक्षर व मात्रा सीखकर पढ़ने लगते हैं। बच्चे नये-नये शब्दों वाक्यों से सभी प्रकार के ज्ञान उनमें समाहित होते जाता है जैसे - गणित, विज्ञान, भाषा, पर्यावरण, व आउट ऑफ लर्निंग के विषय में उनकी मानसिकता विकसित होती जाती है। पढ़ाने के दौरान बच्चे नये शब्द सुनकर उसको जानने, समझने व टटोलने की कोशिश करते हैं। और आगे बढ़ते जाते हैं। बच्चों में हमेशा सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में उत्साहित रहते हैं और खेल खेल में मजे से सीखते हैं। और जानने समझने की प्रक्रिया निरन्तर चलती रहती है।

पाठ से संबंधित वीडियो (2-3) मिनट व फोटो संलग्न है

# हम पुस्तक क्यों पढ़ें?

अच्छी पुस्तकें हमारी सर्वोत्तम मित्र हैं। अध्ययन करते समय शैक्षणिक पुस्तकों द्वारा हमें अच्छा शिक्षण प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त बहुत सी ज्ञानप्रद और संस्कारप्रेरक पुस्तकों तथा शास्त्रों का मनुष्य के जीवन-निर्माण में अमूल्य योगदान रहता है। अनुचित पुस्तकों को पढ़ने से व्यक्तित्व पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

सदैव सूचनाप्रद ज्ञानवर्धक तथा धार्मिक पुस्तकें-पत्रिकाएँ पढ़ता है।

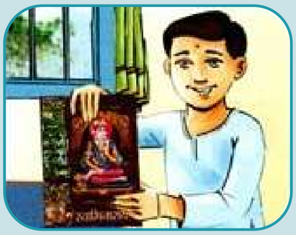

फिल्मी पत्रिकाएँ और स्तरहीन साहित्य पढ़ता है।

शांत और व्यवस्थित स्थान पर बैठकर एकाग्रचित्त हो पुस्तकें पढ़ता है।

अपनी मनमानी करते हुए बैठकर, लेटकर अथवा टहलते अनुचित तरीके से पुस्तक पढ़ता है।

पुस्तक के मुख्य अंशों को याद रखने के लिए उचित 'बुकमार्क' का प्रयोग करता है।

पुस्तकों में लाइन खींच देता, यहाँ-वहाँ व्यर्थ के शब्द लिख देता तथा पन्ने फाड़कर फेंक देता है।

पुस्तकें पढ़कर उचित स्थान पर रखता है।

उल्टे-सीधे जहाँ चाहा, वहीं पुस्तकें फेंक देता है।

ENGLISH ALPHABET